मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 8 अंक 78
शनिवार, 27 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

महाराष्ट्र में बारिश एक आपदा, सरकार से निर्णायक कार्य की अपेक्षाः शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में भारी बारिश से हुए व्यापक नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस आपदा ने किसानों को तबाह कर दिया और ग्रामीण जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से राहत एवं पुनर्वास प्रयासों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

पूर्व मुख्यमंत्री पवार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस आपदा ने न केवल फसलों को नष्ट किया बल्कि बड़े पैमाने पर जानवरों की भी मौत हुई है, जिससे कृषक समुदाय गंभीर संकट में है। उन्होंने कहा, इस प्राकृतिक आपदा का असर केवल किसानों तक ही सीमित नहीं है। छोटे व बड़े व्यवसाय, कारीगर, खेतिहर मजदूर और गांवों में पारंपरिक बलूतेदार और पिछड़े समुदायों के सदस्य भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

पवार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डालते हुए ईंधन व आवश्यक खाद्य आपूर्ति की भारी कमी की ओर इशारा किया और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को तत्काल सक्रिय व सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, बीमारियों के फैलने का खतरा बहुत ज्यादा है और स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी देरी के उपलब्ध कराई जानी चाहिए। शिक्षा भी बुरी तरह प्रभावित हुई है और इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के लगातार दौरों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के दौरों ने प्रशासन का ध्यान नुकसान का आकलन करने और राहत उपायों को लागू करने के बजाय प्रोटोकॉल संबंधी दायित्वों को पूरा करने पर केंद्रित कर दिया है। पवार ने चेतावनी देते हुए कहा, इन यात्राओं के कारण आकलन में देरी हो रही है, जिसके कारण राहत कार्य धीमा हो रहा है।

मराठवाड़ा क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में हाल ही में मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण तबाह हुई फसलों का आकलन करने का काम जारी है।

इन हिस्सों में छत्रपति संभाजीनगर, जालना, लातूर, परभणी, नांदेड़, हिंगोली, बीड और धाराशिव जिले शामिल हैं। इस मानसून में अब तक इन आठ जिलों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 86 लोगों की मौत हो चुकी है।

बिहार की 75 लाख महिलाओं के सपनों को मिली उड़ान, पीएम मोदी-नीतीश ने शुरू की 'रोजगार क्रांति'

पटना, 26 सितम्बर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा आज 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' का शुभारंभ किया गया। 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में आयोजित कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जुड़े हुये थे। 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' योजना के अंतर्गत राज्य की 75 लाख महिला लाभुकों को 10 हजार प्रति लाभुक की दर से 7500 करोड़ की राशि डी०बी०टी० के माध्यम से हस्तांतरित की गयी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी आज के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। इस कार्यक्रम में मैं श्रद्धेय प्रधानमंत्री जी का स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ। साथ ही माननीय केन्द्रीय मंत्रीगण, बिहार के उप मुख्यमंत्री तथा मंत्रीगण एवं इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बड़ी संख्या में जुड़ीं सभी माताओं-बहनों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'महिला रोजगार योजना' के अंतर्गत 75 लाख से अधिक महिलाओं को 10-10 हजार रुपये की सहायता राशि भेजने का शुभारंभ आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द मोदी जी के कर कमलों के द्वारा किया गया। इस योजना का फायदा राज्य के सभी परिवारों की एक महिला को दिया जाना है। जिनका रोजगार अच्छा चलेगा उन्हें आगे 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता भी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत शेष महिलाओं को लाभ देने के लिए अभी से ही तिथियाँ निर्धारित कर दी गयी है। अगली तिथि 3 अक्टूबर निर्धारित की गयी है। आगे भी जो महिलायें इस योजना से जुड़ेंगी उन्हें भी इसका लाभ दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सब जानते हैं कि पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया। पहले बहुत बुरा हाल था। जब 24 नवंबर, 2005 को एन०डी०ए० की सरकार बनी थी, तब से हमलोग बिहार के विकास में लगे हुये हैं और राज्य में कानून का राज है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भारत ने की है जबरदस्त प्रगतिः गडकरी

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि बुनियादी ढांचा किसी भी देश की वृद्धि की रीढ़ है और भारत ने इस क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है।

गडकरी ने यहां भारत अवसंरचना शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क अवसंरचना देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। इसमें पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश से 10,000 किलोमीटर लंबे 25 नए एक्सप्रेसवे का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, बुनियादी ढांचा किसी भी देश की वृद्धि की रीढ़ होता है और भारत ने इस क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है। हम सड़क निर्माण में शहरी कचरे का इस्तेमाल करके और हरित ईंधन, इलेक्ट्रिक वाहनों एवं स्क्रैपिंग नीति को बढ़ावा देकर नवाचार कर रहे हैं।

गडकरी ने कहा, हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है..विकास एवं पर्यावरण को साथ-साथ चलना होगा। तीन पी- पीपल (लोग), प्रॉस्पेरिटी (समृद्धि) और प्लेनेट (ग्रह) के मार्गदर्शन में हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित, हरित और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी भारत का निर्माण करना है।

इस कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के मुख्य महाप्रबंधक सुनील जिंदल ने कहा कि पिछले दशक में एनएचएआई ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। खर्च सात गुना बढ़ गया है, निर्माण की गति 35 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है तथा 50,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्ग एवं 830 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि एनएचएआई एक राजमार्ग नेटवर्क का निर्माण कर रहा है, जो आधुनिक एवं टिकाऊ है और भारत के वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी एवं आत्मनिर्भर बनने के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूरा बैन लगाना संभव नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (26 सितंबर) को केंद्र सरकार से कहा कि वह सभी हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों के निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध में संशोधन पर निर्णय ले। इस बीच, कोर्ट ने प्रमाणित ग्रीन पटाखों के निमार्ताओं, जिनके पास ठएएफक्र और ढएरड से परमिट हैं, को दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे बनाने की अनुमति दे दी, बशर्ते कि वे एनसीआर में न बेचे जाएँ। कोर्ट ने कहा कि इस बीच, हम उन निमार्ताओं को पटाखे बनाने की अनुमति देते हैं जिनके पास ठएएफक्रऔर ढएरड द्वारा प्रमाणित हरित पटाखे हैं। हालाँकि, इसके लिए निमार्ताओं को इस न्यायालय के समक्ष यह वचन देना होगा कि इस न्यायालय द्वारा पारित अगले आदेश तक, वे निषिद्ध क्षेत्रों में अपने कोई भी पटाखे नहीं बेचेंगे।

न्यायालय इस मामले पर अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को करेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने एमसी मेहता मामले में यह आदेश पारित किया। सुनवाई के दौरान, कुछ पक्षों ने तर्क दिया कि न्यायालय द्वारा 3 अप्रैल को पारित आदेश जिसमें एनसीआर में पटाखों पर प्रतिबंध को केवल सर्दियों के मौसम के बजाय पूरे वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया था - अर्जुन गोपाल मामले में 2018 के फैसले के विपरीत है। पीठ ने कहा कि वह इस समय इस मुद्दे पर विचार करने का प्रस्ताव नहीं रखती।

पीठ ने अपने आदेश में कहा कि पूर्ण प्रतिबंध व्यावहारिक और आदर्श नहीं हो सकता। इस संबंध में, पीठ ने कहा कि बिहार में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध के कारण अवैध खनन माफियाओं का उदय हुआ है। सुनवाई के दौरान, एमसी मेहता मामले में न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने पटाखों पर, उनके निर्माण सहित, पूर्ण प्रतिबंध लगाने की वकालत की।

उन्होंने कहा कि एनसीआर में निर्माण की अनुमति देने से अंततः प्रतिबंधित क्षेत्रों में उनकी बिक्री और उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। निमार्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बलबीर सिंह (सहायक वकील देवांश श्रीवास्तव) और के. परमेश्वर ने सख्त शर्तों के साथ निर्माण की अनुमति देने की मांग की। उन्होंने कहा कि वे वेबसाइट पर मात्रा की घोषणा कर सकते हैं और सभी आवश्यक घोषणाएँ करेंगे।

झारखंड: दो सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत

झारखंड। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम और गिरिडीह में शुक्रवार को दो सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार ये दुर्घटनाएं पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा और गिरिडीह के बड़कीटांड इलाके में हुईं।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार तड़के पूर्वी सिंहभूम जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-18 पर झरिया मोड़ के पास कोलकाता से जमशेदपुर की ओर आ रही एक कार एक भारी वाहन के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया, ह्लमृतकों के शव क्षतिग्रस्त वाहन से निकाल लिये गए।ह्व

शवों को बाद में पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया। गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक विमल कुमार ने ह्यपीटीआई-भाषाह्व को बताया कि गिरिडीह-धनबाद मुख्य मार्ग पर बड़कीटांड जंगल के पास एक यात्री वाहन तेज रफ्तार ट्रक से टकरा गया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि शवों को गिरिडीह सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

रायपुर में स्टील प्लांट का ढांचा गिरने से छह लोगों की मौत, कई घायल

रायपुर, 26 सितम्बर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शुक्रवार को एक निजी इस्पात संयंत्र में एक ढाँचा ढह जाने से छह श्रमिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि यह घटना शहर के बाहरी इलाके सिलतारा इलाके में गोदावरी इस्पात लिमिटेड के संयंत्र में हुई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर भेजी गई और बचाव अभियान शुरू किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पाँच मजदूरों की मौत हो गई और पाँच अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि बचाव कार्य जारी है, क्योंकि और लोगों के फंसे होने की आशंका है।

इस बीच, पुलिस दल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं और इलाके में व्यापक बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। एसपी लाल उमेद सिंह ने कहा कि हमें सूचना मिली थी कि गोदावरी इस्पात के पास एक छत गिरने से कुछ लोग फँस गए हैं... पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुँचे और बचाव अभियान शुरू किया गया। अब तक छह शव बरामद किए गए हैं और छह घायलों को बचाया गया है। तलाशी और बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, मुझे इसकी जानकारी मिली है और मैं इस घटना से बहुत दुखी हूँ।

विश्व नदी दिवस–28 सितम्बर, 2025

जीवनधारा नदियों के लुप्त होने का खतराः संरक्षण का संकल्प

-ललित गर्ग

नदियां मात्र जलधाराएं नहीं हैं, वे जीवन की धमनियां हैं, सभ्यता की जननी हैं और प्रकृति का शाश्वत उपहार हैं। मानव सभ्यता का इतिहास गवाह है कि हर संस्कृति और हर महान नगरी का उदय नदियों के तट पर हुआ। गंगा, सिंधु, नील, अमेजन, यांग्सी जैसी नदियाँ केवल भूगोल का निर्माण ही नहीं करतीं, बल्कि कृषि, व्यापार, परिवहन, ऊर्जा, आस्था और संस्कृति को भी दिशा देती हैं। विश्व स्तर पर हर वर्ष सितंबर के चौथे रविवार को मनाया जाने वाला विश्व नदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि नदियां हमारी अस्तित्व-रेखा हैं और उनका संरक्षण करना किसी विकल्प का नहीं बल्कि हमारे जीवन के अस्तित्व का प्रश्न है। 2005 में, संयुक्त राष्ट्र के ह्यजीवन के लिए जल दशकह्न की शुरूआत के उपलक्ष्य में, नदी अधिवक्ता मार्क एंजेलो ने विश्व नदी दिवस के गठन का प्रस्ताव रखा। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रयास कनाडा में 1980 में एंजेलो द्वारा शुरू किए गए बीसी नदी दिवस की सफलता से प्रेरित था। विश्व नदी दिवस नदियों के महत्व को रेखांकित करता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नदियों की बेहतर देखभाल-संरक्षण-संवर्धन का समर्थन करते हुए जन जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। इस वर्ष की थीम ह्यहमारी नदियाँ, हमारा भविष्यह्न है, जो नदियों की रक्षा, जल अधिकारों को बनाए रखने और नदी प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की आवाज को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर केंद्रित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका का लगभग 65 प्रतिशत पेयजल नदियों से आता है, इसी तरह भारत सहित अनेक देशों में पेयजल का मुख्य स्रोत नदियां ही हैं।

नदियां हमें बिजली पैदा करने, फसलों को पानी देने और पीने योग्य पानी उपलब्ध कराती हैं। यही कारण है कि एम्स्टर्डम, बैंकॉक और बर्लिन जैसे समृद्ध शहर नदियों के किनारे बसे हैं। दुर्भाग्य यह है कि जिन नदियों ने हमें जीवन दिया, हमने उन्हीं को प्रदूषण और विनाश की गर्त में धकेल दिया। औद्योगिक इकाइयों का रासायनिक कचरा, नगरों का गंदा पानी, प्लास्टिक और घरेलू अपशिष्ट ने नदियों को गटर में बदल दिया है। अंधाधुंध बांध निर्माण और जलविद्युत परियोजनाओं ने उनकी प्राकृतिक धारा को बाधित किया है। धार्मिक आस्थाओं और अंधविश्वासों के नाम पर मूर्तियों और अस्थियों का विसर्जन नदियों की पवित्रता को विषाक्त बना रहा है। जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के पिघलने से नदियों के अस्तित्व पर संकट गहरा रहा है। भारत में गंगा, यमुना, चंबल, साबरमती जैसी नदियां इस प्रदूषण और शोषण का शिकार हैं, वहीं विश्व स्तर पर अमेजन, नील और डेन्यूब जैसी नदियां भी प्रदूषण और अत्यधिक दोहन की मार झेल रही हैं। पृथ्वी की आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपनी जीविका के लिए मछलियों पर निर्भर है, इसलिए हमें औद्योगिक कचरे के कारण नदियों के क्षरण को सक्रिय रूप से रोकने और पानी के नीचे के पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

नदियां केवल जल का स्रोत नहीं बल्कि जीव-जंतुओं और वन्य जीवन की धुरी हैं। असंख्य मछलियां, कछुए, पक्षी और जलीय प्राणी नदियों से अपना जीवन पाते हैं। जब नदी प्रदूषित होती है तो यह जैवविविधता समाप्त होने लगती है, खेत बंजर हो जाते हैं, भूजल स्तर गिर जाता है और प्रकृति का संतुलन बिगड़ने लगता है। नदियों की मृत्यु वास्तव में पृथ्वी/सृष्टि की मृत्यु है। इस परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि नदियों के संरक्षण को हम केवल सरकारी योजनाओं या नीतियों तक सीमित न रखें, बल्कि इसे जनांदोलन का रूप दें। प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण, जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, शोधन संयंत्रों की अनिवार्यता और सामाजिक जागरूकता ही वे उपाय हैं जिनसे नदियों को नया जीवन दिया जा सकता है। गंगा एक्शन प्लान और नमामि गंगे जैसी योजनाएं तभी सार्थक होंगी जब समाज ईमानदारी से अपने हिस्से का कर्तव्य निभाएगा। नदियों को गंदा करना आत्मघात है और उन्हें बचाना जीवन रक्षा का संकल्प।

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब ह्यमृतह्न होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी हैं। नदियां के अत्यधिक खतरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में हैं। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की। देश में सर्वेक्षित नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है। भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश के प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं। इन धमनियां में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा।

विश्व नदी दिवस हमें यह चेतावनी देता है कि यदि नदियां सूख जाएंगी, प्रदूषित हो जाएंगी या विलुप्त हो जाएंगी तो मानव सभ्यता का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। नदियां हमारी जीवनरेखा और सांस्कृतिक धरोहर हैं, उनका संरक्षण करना ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन और आशा को बचाना है। यह अवसर हमें यह संकल्प लेने का आह्वान करता है कि हम नदियों को केवल उपयोग की वस्तु न समझें, बल्कि जीवित प्राणी की तरह उनका सम्मान करें, क्योंकि नदी बचेगी तो जीवन बचेगा, नदी बहेगी तो संस्कृति बहेगी।

क्या श्रीलंका,बांग्लादेश और नेपाल में भड़के सार्वजनिक आक्रोश का

अशोक भाटिया

बुधवार को आशंका जताई जा रही थी कि श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में भड़के सार्वजनिक आक्रोश और हिंसा का भूत सीमा पार कर भारत में घुस गया था और लेह विस्फोट कुछ ही घंटों में उसके पड़ोस में आग की तरह भड़क गया था, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और 70 लोग घायल हो गए थे। सुरक्षा बलों के बारह वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया और संपत्ति को नुकसान पहुंचा दिया गया और सुरक्षा गार्डों को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इसके विपरीत, सुरक्षा बलों पर आत्मरक्षा में हमला किया गया , जिसमें चार लोगों के मारे जाने की खबर है। प्रदर्शनकारियों ने भारतीय जनता पार्टी और लेह स्वायत्त हिल काउंसिल के कार्यालयों पर हमला किया, जिससे सुरक्षा बलों के लिए प्रदर्शनकारियों की पहचान करना आसान हो गया। इस तरह की धारणा शुरू में फैलाई गई थी। लेकिन, फिर वह चला गया।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारियों की चार मांगें रही हैं। पहली लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाए। दूसरी, लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए। तीसरी, लद्दाख में लोकसभा सीटें बढ़ाकर दो की जाएं और चौथी लद्दाख की जनजातियों को आदिवासी का दर्जा दिया जाए। छात्रों ने इन मांगों के समर्थन में रैली भी निकाली। बता दें कि 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त करते हुए केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांट दिया था। जम्मू-कश्मीर को एक केंद्र शासित प्रदेश जबकि लेह, लद्दाख और करगिल को मिलाकर एक प्रदेश बनाया गया था। अब उसी लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग उठ रही है।

दरअसल लद्दाख 31 अक्टूबर, 2019 को केंद्र शासित प्रदेश बन गया, जब केंद्र सरकार ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के अनुच्छेद 370 और 35 ए को निरस्त कर दिया। बाहर से आक्रमण का भय नहीं था, लेकिन जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने से जम्मू-कश्मीर के नागरिकों में बहुत बड़ा डर पैदा हो गया है। छठी अनुसूची में शामिल होने से नागरिकों को स्वायत्तता और स्वशासन के वही अधिकार मिलते हैं जो असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के आदिवासी क्षेत्रों को मिलते हैं यही लद्दाख की मांग है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाना, अलग राज्य का दर्जा देना संवेदनशील और जोखिम भरा है, इसलिए जब हमें विश्वास हो जाएगा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, तो हम लद्दाख के लोगों की मांगों पर जरूर विचार करेंगे।

केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों की मांगों के प्रति सकारात्मक है और आंदोलनकारी संगठनों के साथ बातचीत करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। आंदोलनकारी संगठनों के बीच पहले दौर की वार्ता 27 मई को हुई थी और दूसरा दौर 25 जुलाई को होना था, लेकिन किसी कारण से इसे 25-26 सितंबर और फिर 6 अक्टूबर तक के लिए टाल दिया गया था। अचानक भड़कने की वजह बताना मुश्किल है। प्रदर्शनकारियों को मांगें कितनी भी जायज क्यों न लगें, लेकिन संवैधानिक प्रावधानों का सवाल ही है। ऐसे मामलों को वैध तरीके से निपटाया जाना चाहिए, न कि अनुचित आक्रामकता से, जो सीमा पार हुआ वह भारत में नहीं हो सकता।

अब लेह में हिंसा के बाद सरकार ने और कड़ा कदम उठाया है। सरकार ने क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की एनजीओ का एफसीआरऐ लाइसेंस रद्द कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, हिंसा और सामूहिक तनाव फैलाने के मामलों की जांच के बाद यह फैसला लिया गया। सरकार ने स्पष्ट किया कि किसी भी संगठन को देश में कानून और व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सोनम की एनजीओ के खिलाफ विदेशी योगदान नियमों का उल्लंघन और रिपोर्टिंग में अनियमितताओं का हवाला दिया गया है। इस कदम को सुरक्षा और सामाजिक शांति सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। इस बीच सोनम वांगचुक का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि मेरा जेल में होना शायद युवाओं को ज्यादा जगाएगा। यह एक तरह से सरकार को धमकी देने वाली बात है। उधर, स्कूलों में दो दिन की छुट्टी कर दी गई है। इस बीच खबर आ रही कि ईडी भी इस मामले की जांच शुरू कर सकती है। वह फेमा के तहत केस रजिस्टर कर सकती है।

लेह में हुई हिंसा को लेकर लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंदर गुप्ता ने बड़ा बयान देने लायक है मीडिया से बातचीत में उन्होंने साफ कहा कि यह कोई अचानक हुई घटना नहीं थी बल्कि लद्दाख को जलाने की सुनियोजित साजिश थी। एल जी का आरोप है कि इस पूरे मामले में एक राजनीतिक पार्टी शामिल थी और हिंसा फैलाने के लिए बाहरी लोगों को बुलाया गया था। एल जी गुप्ता ने बताया कि हिंसा के दौरान नेपाल के 7 लोग घायल हुए, जिससे यह शक और गहरा हो गया है कि इसमें विदेशी हाथ भी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास पूरी जानकारी है कि कौन विदेश जाता है और पैसा कहां से आता है। यही नहीं,एल जी के अनुसार हिंसा के बाद कई लोग लेह से भाग गए हैं और अब पूरे मामले की जांच तेजी से चल रही है ।एल जीका यह भी दावा है कि इस उपद्रव को अंजाम देने के लिए बाहर से लोगों को बुलाकर माहौल खराब करने की कोशिश की गई। उनका कहना है कि साज़िश करने वालों का हिसाब जरूर होगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

अब भले ही लेह-लद्दाख में हिंसा के एक दिन बाद हालात बेहद तनावपूर्ण लेकिन शांत दिखाई दे रहे हैं। जिस इलाके में बुधवार को बवाल हुआ था, वहां अब सन्नाटा पसरा है। सड़कें सूनी हैं और न पुलिसकर्मी नजर आ रहे हैं, न ही आम लोग बाहर निकल रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के साथ कॉलेज व आंगनवाड़ी केंद्रों को दो दिन के लिए बंद रखने का आदेश जारी किया है। बाजारों में भी दुकानें बंद हैं, जिससे आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो गई है। हिंसा की वजह से लोग डरे-सहमे अपने घरों में ही रहना बेहतर समझ रहे हैं। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और शांति बहाली की कोशिश की जा रही है। हालांकि सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए इलाके में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही हालात सामान्य होंगे और जिंदगी पटरी पर लौटेगी।

महबूबा मुफ्ती ने सोनम वांगचुक के एफसीआरऐ लाइसेंस रद्द किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्रवाई शासन नहीं, बल्कि नाखुशी का प्रतिशोध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वांगचुक सरकार विरोधी या राष्ट्रविरोधी नहीं हैं, बल्कि वे केंद्र सरकार से किए गए वादों का पालन कराने का प्रयास कर रहे हैं, खासकर लेह-लद्दाख में छठी अनुसूची लागू करने, वहां की जमीन, नौकरियों, पहचान और संवेदनशील संस्कृति की रक्षा के लिए। महबूबा मुफ्ती ने यह भी कहा कि जवाबदेही मांगना अपराध नहीं है। उन्होंने वांगचुक की उपलब्धियों की तारीफ करते हुए कहा कि जिन्होंने आइस स्टूपा बनाए, सोलर स्कूल स्थापित किए और नवाचार व आशा से लद्दाख को रोशन किया, उन्हें अब अंधकार में निशाना बनाया जा रहा है।

जैसे पहले बताया अब सोनम वांगचुक और उनकी संस्था के खिलाफ विदेश से प्राप्त फंडिंग की जांच में अब ईडी भी कूद गई है। उसने फेमा के तहत केस रजिस्टर किया है। सीबीआई इसकी जांच पिछले दो महीने से कर रही है और आरोप है कि संस्था ने अवैध तरीके से विदेशी फंडिंग ली। इसके अलावा, सोनम वांगचुक की इसी साल 6 फरवरी की पाकिस्तान यात्रा को लेकर भी सवाल उठे थे। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल जांच चल रही है, लेकिन कोई मामला अभी दर्ज नहीं हुआ है। वहीं, सरकार ने वांगचुक को लद्दाख हिंसा के लिए जिम्मेदार भी ठहराया है। अपनी गिरफ्तारी पर सोनम वांगचुक कहना है कि 2020 से हमें वादे दिए जा रहे हैं लेकिन कुछ भी नहीं निकला। बच्चे बेरोजगार हैं। नौकरियां नहीं निकलीं। वह लोग बाहर कभी नहीं आते थे, युवा बाहर नहीं आता था। अचानक कल निकल आए। यह किसी ने सोचा भी नहीं था। मैंने तो कहा था हिंसा निंदनीय है, मैं बहुत दुखी हूं ।। और फिर मैंने कहा कि अचानक से ऐसे हजारों में युवा निकल गए मानो जैसे GENZ रिवोल्यूशन हो। कुछ लोगों को इस शब्द से दिक्कत क्यों है? मैं भी इस शब्द का प्रयोग नहीं करता हूं ।। कल क्यूंकि युवा खुद अपने लिए इस शब्द का प्रयोग कर रहे थे, इसलिए निकल आया। सोनम वांगचुक ने कहा, इनकम टैक्स के समन आ रहे हैं, यहां लद्दाख में कोई टैक्स नहीं देता लेकिन मैं यहां अपनी मर्जी से टैक्स देता हूं फिर भी मुझे नोटिस आ रहे हैं। कहना नहीं चाहता लेकिन यह विच हंटिंग की तरह है, मुझे लगता है कि मेरा जेल में होना देश को ज्यादा जगाएगा।

केंद्र सरकार का भी स्पष्ट मानना है कि लेह में भड़की हिंसा स्वतः नहीं थी। इसके पीछे कुछ बड़ी ताकतें हो सकती हैं। सरकार का कहना है कि आंदोलन कर रहे नेताओं की केंद्र सरकार के साथ छह अक्टूबर को बैठक तय थी। इतना ही नहीं इस बैठक को और पहले करने के अनुरोध मिले थे। इसके बाद 25-26 सितंबर को भी एक अनौपचारिक बैठक होने वाली थी। इस बारे में भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक की सभा से इसको लेकर हो रही घोषणा का वीडियो भी है, जिसमें कहा जा रहा है कि एक प्रतिनिधिमंडल केंद्र सरकार के साथ बात करने के लिए दिल्ली जा रहा है।

ऐतिहासिक, अध्यात्मिक, पौराणिक मशहूर जिला जौनपुर की उपलब्धियाँ

-विक्रम दयाल

अपने अतीत एवम विभा वैभव के लिए सुविख्यात जनपद जौनपुर अपना एक विशिष्ट ऐतिहासिक, सामाजिक एवम् राजनैतिक अस्तित्व रखता है। पौराणिक कथा के, शिलालेखों, ध्वंसावशेषों एवम् अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अतीत का अध्ययन करने पर जनपद का वास्तविक स्वरुप किसी न किसी रूप मैं उत्तर वैदिक काल तक दिखाई पड़ता है। आदि गंगा गोमती नगर की गौरव एवम इसका शांतिमय तट तपस्वी, ऋषियों एवम महार्षियों के चिंतन और मनन का एक प्रमुख पुण्य स्थल भी रहा है। जहाँ से वेद मंत्रों की स्वर प्रस्फुटित आज भी होती रहती है। आज भी गोमती नदी के नगर के तटवर्ती मंदिरों में देववाणियाँ गूँजती रहती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसर इस जनपद का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। यहाँ दूसरे देशों से अरबी व फारसी सीखने के लिए छात्र आते रहें हैं। शेरशाह सूरी कि शिक्षा -दिक्षा भी यहीं हुई थी। यहीं पर सूफी मत भी पल्लवित और पुष्पित हुआ था। शर्की काल मैं हिंदू -मुस्लिम साम्प्रदायिक सद्भाव का अनूठा दिग्दर्शन रहा है और वही विरासत में आज भी विद्यमान है। सप्त सिंहल पंजाब के राजा सहस्त्रार्जुन से मतभेद हो जाने पर महर्षि यमदग्नि दक्षिण की ओर चल पड़े, गोमती के पावन अंचल में प्रशस्त प्रकृति की सुरम्य छटा में उलझ गये जफराबाद व जौनपुर के बीच गोमती के दाहिने तट पर महर्षि यमदग्नि ने अपना आश्रम बना लिया। आज भी इस स्थान पर एक प्राचीन मंदिर है, जो यमदग्नि का मंदिर कहलाता है। यह स्थान जमैका ग्राम में है। यमदग्नि अपने पुत्र परशुराम के साथ यहीं रहने लगे। यह क्षेत्र उस समय अयोध्या राज्य के अन्तर्गत था। इसे अयोध्यापुरम् भी कहा जाता था। राजा सहस्त्रार्जुन ने पुरानी वैमनस्यता के कारण महर्षि यमदग्नि के आश्रम पर आक्रमण करके उनका वध कर दिया। पिता के वध का समाचार से प्रतापी परशुराम ने कुपित होकर प्रतिशोध के लिए युद्ध ठान लिया और युद्ध में अपने पिता के हत्यारों का वध कर दिया। इस जनपद में सर्वप्रथम रघुवंशी क्षत्रियों का आगमन हुआ। बनारस के राजा ने अपनी पुत्री का विवाह अयोध्या के राजा देवकुमार के साथ किया। साथ ही अपने राज्य का कुछ भाग दहेज में दे दिया। जिससे. डोभी के रघुवंशी आबाद हुए। उसके बाद ही वत्सगोत्री, दुर्गवंशी तथा व्यास क्षत्रियों का जनपद में आगमन हुआ। जौनपुर में भरो एवम सोइरियों का प्रभुत्व था, क्षत्रियों का इनके साथ संघर्ष होने लगा। गहरवार क्षत्रियों ने भरो और सोइरियों के प्रभुत्व को पूरी तरह समाप्त कर दिया। ग्यारहवी सदी मैं कन्नौज के गहरवार राजपूत जफराबाद और यौनापुर को समृद्ध एवम सुंदर बनाने लगे। कन्नौज से यहाँ आकर विजयचंद ने अनेकानेक भवन और गढ़ी का निर्माण कराया। आज भी जफराबाद के दक्षिण में किले का ध्वंसावशेष देखा जा सकता है। 1194 ई. कुतुबुद्दीन ऐबक, 1389 ई. फिरोजशाह का पुत्र महमूद शाह, गद्दी पर बैठा,उसने मलिक सरवर ख्वाजा को मंत्री बनाया और बाद में 1393 ई. मलिक उसशर्क की उपाधि देकर कन्नौज से बिहार तक का क्षेत्र उसे सौंप दिया। मलिक उसशर्क ने जौनपुर को राजधानी बनाया और इटावा से बंगाल तक तथा विंध्याचल से नेपाल तक अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया। शर्की वंश से संस्थापक की मृत्यु 1938 में हो गई। तब जौनपुर कि गद्दी पर उसका दत्तक पुत्र सैयद मुबारक शाह बैठा। उसके बाद छोटा भाई इब्राहिम शाह, निपुण और कुशल शासक रहा। 1484 ई. से 1525 ई. लोदी वंश, का अधिपत्य जौनपुर की गद्दी पर रहा। 1526 ई. में दिल्ली पर बाबर का अधिपत्य था। जौनपुर पर विजय पाने के लिए बाबर ने हुमायूँ को भेजा, जिसने जौनपुर के शासक को परास्त कर दिया। 1556 ई.में हुमायूँ की मृत्यु हो गई। 18 वर्ष कि अवस्था में उसका पुत्र जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर गद्दी पर बैठा। 1567ई. में जब अली कुली खां ने विद्रोह किया तो स्वयं अकबर ने चढ़ाई किया और युद्ध में अलीखां को मार गिराया। अकबर जौनपुर आया और वह जौनपुर को अपना निवास बनाया। तत्पश्चात सरदार मुनीरखां को शासक बनाकर वापस दिल्ली चला गया। अकबर के ही काल में जौनपुर के शाहीपुल का निर्माण हुआ।

जौनपुर की ऐतिहासिक उपलब्धियों में शर्की सल्तनत के दौरान मटेला मस्जिद और जामा मस्जिद जैसी महत्वपूर्ण इमारतों का निर्माण, शिक्षा और संस्कृत केन्द्र के रुप में इसका विकास और शाही पुल का निर्माण शामिल है। आधुनिक उपलब्धियों मैं जौनपुर की अपनी पारंपरिक ऊनी दरी कला के लिए एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत पहचान मिली है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना में जिले ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। ऐतिहासिक उपलब्धियाँः वस्तुकला का विकासः शर्की शासकों ने जौनपुर को शिक्षा और निर्माण का केंद्र बनाया, जिससे मटेला मस्जिद, लाल दरवाजा मस्जिद, जामा मस्जिद और झांझरी मस्जिद जैसी उत्कृष्ट वास्तुकला की झलक मिलती है। शाही पुल का निमार्णः अकबर के शासनकाल मैं 1564 में मुनीर खान द्वारा निर्मित शाही पुल एक अनूठी वास्तुकला का नमूना है। शिक्षा और सांस्कृतिक का केंद्रः शर्की काल में जौनपुर शिक्षा, संस्कृत संगीत और साहित्य का महत्वपूर्ण केन्द्र बना, जो हिंदू मुस्लिम सांप्रदायिक सद्भाव को दशार्ता है। एक जनपद एक उत्पादः जौनपुर की पारंपरिक ऊनी कालीन और दरी बनाने की कला को एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत पहचान मिली है। जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिला है। रोजगार सृजनः स्थानीय उत्पादों के निर्यात के साथ साथ विभिन्न क्षेत्रों में अवसर, जैसे डिलीवरी और लाजिस्टिक, युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। आर्थिक विकासः जौनपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश का तेजी से विकसित होता क्षेत्र है। जो कौशल विकास, बेहतर बुनियादी ढांचे और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। जौनपुर मैं दो प्रमुख नदियाँ हैं गोमती और सई, और कई छोटी

नदियाँ जैसे वरुणा, बसुही, पीली, मामुर और गांगी हैं। जौनपुर का मशहूर चमेली का तेल, तम्बाकू की पत्तियाँ, इमिरती और स्वीटमीट है। जौनपुर मैं दो लोकसभा और नौ विधानसभा सीटें हैं। जिले मैं सबसे ज्यादा बोली जाने वाली हिंदी भाषा है। जौनपुर में मुख्य रुप से एक सार्वजनिक विश्वविद्यालय है, वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय जिसकी स्थापना 1987 मैं हुई। इसके अलावा जौनपुर मैं चार केंद्रीय विद्यालय, आठ राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, दो डीम्ड विश्वविद्यालय, एक बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्व-विद्यालय, बीस राज्य विश्वविद्यालय, दो केंद्रीय वित्त पोषित प्रतिष्ठित संस्थान, सात निजी विश्वविद्यालय और एक इंजिनियरिंग विश्वविद्यालय है।

भारत प्राचीन काल से अब तक विश्व गुरु बनने की तथा-कथा

संजीव ठाकुर

भारतवर्ष ऐतिहासिक तौर पर एक ऐसा देश रहा है जिसने अपनी संस्कृति सनातनी शक्ति एवं ऊर्जा से वैश्विक नेतृत्व किया है बीच के कुछ काल में अवश्य कुछ विदेशी आक्रांताओं ने देश पर हमला कर विदेशी प्रभाव छोड़ा है किंतु आज भारत इस स्थिति में है कि वह विश्व का सक्षम नेतृत्व कर सकता है।

भारत ही एक ऐसा देश है जिसने सदियों से दुनिया को ज्ञान, संस्कृति, विज्ञान और नैतिकता का संदेश दिया है। विश्व गुरु बनने का मतलब केवल ताकत या धन में आगे होना नहीं है, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और नैतिक नेतृत्व में दुनिया के लिए उदाहरण बनना है। यह वह स्थिति है, जो भारत ने प्राचीन काल से लेकर आज तक हमेशा हासिल करने की कोशिश की है। प्राचीन भारत में शिक्षा और विज्ञान का स्तर अत्यंत ऊँचा था। हमारे यहाँ वेदों और उपनिषदों में जीवन, ब्रह्मांड और मानव चेतना के रहस्यों का अध्ययन हुआ। शून्य और दशमलव पद्धति की खोज ने पूरी दुनिया में गणितीय ज्ञान को आसान बनाया। आर्यभट्ट और वराहमिहिर ने खगोल विज्ञान और गणित में अद्वितीय योगदान दिया। सुश्रुत और चरक ने आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा में ऐसी खोजें कीं, जो आज भी विश्व में मान्य हैं। योग और ध्यान ने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का विज्ञान प्रस्तुत किया। धर्म और दर्शन के क्षेत्र में भी भारत ने दुनिया को दिशा दिखाई। बौद्ध और जैन धर्म ने अहिंसा और नैतिकता का संदेश फैलाया। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों ने जीवन, नैतिकता और सही-असही की पहचान करने का मार्ग दिखाया। भारतीय संगीत, नृत्य, कला और वास्तुकला ने दुनिया में हमारी सांस्कृतिक पहचान बनाई। इस समय भारत केवल शक्ति का केंद्र नहीं था, बल्कि ज्ञान और संस्कृति का मार्गदर्शक बन चुका था।

मध्यकाल में जब राजनीतिक स्थिति अस्थिर थी और कई विदेशी आक्रमण हुए, तब भी हमारी संस्कृति और शिक्षा जीवित रही। संस्कृत साहित्य, आयुर्वेद, ज्योतिष और तंत्र का अध्ययन जारी रहा। इस समय भारतीय कला और वास्तुकला ने नई शैली अपनाई और समृद्धि पाई। खगोल विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान में भी प्रगति जारी रही। इस समय भारत का प्रभाव केवल राजनीतिक शक्ति से नहीं, बल्कि ज्ञान और संस्कृति के माध्यम से दूर-दूर तक महसूस किया गया।

ब्रिटिश शासन में भारत की राजनीतिक स्वतंत्रता और आर्थिक शक्ति सीमित हो गई, लेकिन ज्ञान और संस्कृति की महत्ता कम नहीं हुई। राजा राममोहन राय और स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति और योग को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग से दुनिया को नेतृत्व का नया उदाहरण दिया। इसी समय जगदीश चंद्र बोस और सी. वी. रमन जैसे वैज्ञानिकों ने भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकाया।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने आधुनिक विज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की। आईटी और डिजिटल इंडिया ने भारत को दुनिया में तकनीकी शक्ति बनाया। क्रफ्द्ध के चंद्रयान और मंगलयान अभियानों ने यह दिखाया कि भारत अंतरिक्ष अनुसंधान में भी अग्रणी है। फार्मास्युटिकल्स और बायोटेक में भारत वैश्विक आपूर्ति केंद्र बन गया। योग और आयुर्वेद का प्रचार, बॉलीवुड और संगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति का प्रसार, और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर भारत की सक्रिय भागीदारी ने आधुनिक भारत को विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ाया है। बेशक चुनौतियाँ अभी भी हैं। गरीबी और असमानता, शिक्षा और अनुसंधान में सुधार की जरूरत, और वैश्विक राजनीति में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। लेकिन अवसर भी बहुत हैं। अगर हम अपने ज्ञान, संस्कृति और नैतिकता का सही इस्तेमाल करें, तो दुनिया के लिए प्रेरणा बन सकते हैं। विज्ञान और तकनीक में आगे बढ़कर हम पर्यावरण और सतत विकास में उदाहरण पेश कर सकते हैं। ।।भारत ने हर युग में यह दिखाया कि अगर प्रयास और दृष्टि सही हों, तो विश्व गुरु बनना संभव है। प्राचीन काल में ज्ञान और संस्कृति के माध्यम से, मध्यकाल में संरक्षण और अनुकूलन के द्वारा, औपनिवेशिक काल में पुनरुत्थान और स्वतंत्र भारत में तकनीक, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के संयोजन से यह सपना हकीकत बन सकता है। भारत का विश्व गुरु बनना केवल ताकत या संपत्ति से नहीं मापा जाएगा, बल्कि ज्ञान, संस्कृति, नैतिकता और आध्यात्मिकता के संतुलन से मापा जाएगा। आज अगर हम अपने प्राचीन ज्ञान और संस्कृति, आधुनिक विज्ञान और तकनीक, और नैतिक नेतृत्व को साथ लेकर चलें, तो यह सपना निश्चित रूप से सच हो सकता है। हर भारतीय, चाहे छोटा हो या बड़ा, ग्रामीण हो या शहर का निवासी, इस सफर का हिस्सा बन सकता है। भारत फिर से विश्व गुरु बन सकता है न केवल इतिहास की वजह से, बल्कि हमारी आज की मेहनत और आने वाली पीढ़ियों की सोच के कारण।

रामगढ में रिलायंस डिजिटल स्टोर का भव्य शुभारंभ

रामगढ। भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक रिटेलर रिलायंस डिजिटल ने रामगढ के मेन रोड स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार के निकट प्रीमियर प्लाजा में अपने नए स्टोर का अनावरण किया। इस स्टोर का उद्घाटन मुख्य अतिथि रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मंजीत साहनी एवं विशिष्ट अतिथि पवन अग्रवाल व गोविंद अग्रवाल के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथि ने रिलायंस डिजिटल के सभी कर्मचारियों को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि यह स्टोर इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों की खरीदारी के लिए उचित स्थान साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस त्योहार ग्राहक नए इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ नई शुरूआत कर सकेंगे। रामगढ स्टोर मैनेजर गौरव कुमार ने कहा कि विशेष उद्घाटन ऑफर और नवीनतम तकनीक की व्यापक रेंज के साथ ग्राहक यहां एक बेहतर खरीदारी अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। व्यापक क्षेत्र में फैला हुआ यह तकनीक गंतव्य सर्वोत्तम कीमतों पर नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक्स की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, साथ ही इन-स्टोर सहायता के लिए एक विशेषज्ञ टेक स्क्वाड और इलेक्ट्रॉनिक्स की खरीद के बाद की देखभाल के लिए समर्पित रेस्क्यू सेवा विशेषज्ञ भी प्रदान करता है। सबसे तेज डिलीवरी और इंस्टॉलेशन के साथ, ग्राहक बिना किसी देरी के अपनी पसंदीदा उत्पाद यहाँ से प्राप्त कर सकते हैं। उपभोक्ताओं को नए स्टोर पर रोमांचक अर्ली बर्ड ऑफर के साथ अग्रणी बैंक कार्ड पर 15,000 तक का इंस्टेंट डिस्काउंट का भी लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के विशाल रेंज के साथ ही 14 दिनों में आसान रिटर्न, ईजी ईएमआई, फ्री डिलीवरी और सबसे जल्दी इंस्टालेशन की सुविधा भी मिलेगी। रिलायंस डिजिटल 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ब्रांडों के 2,000 से अधिक उत्पाद पेश करता है। इसमें नवीनतम स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, होम थिएटर, डिजिटल कैमरा, लैपटॉप, सहायक उपकरण और अन्य छोटे इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम सहित उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरणों की एक पूरी श्रृंखला शामिल है।

कोर्ट के कैदियों ने मिलकर पुलिस पर हमला, कैदियों पर दर्ज किया गया मामला

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण कोर्ट परिसर में गुरुवार दोपहर एक बड़ी घटना घटी। पेशी पर लाए गए कैदियों ने अचानक पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया, जिसमें एक पुलिस नाईक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस अप्रत्याशित घटना से कोर्ट परिसर में अफरातफरी का माहौल बन गया।

पुलिस में दर्ज मामले के अनुसार, 24 सितंबर को विभिन्न गंभीर मामलों में 8 आरोपी कैदियों को पेशी के लिए कल्याण कोर्ट लाया गया था। पेशी पूरी होने के बाद उन्हें वापस आधारवाड़ी जेल भेजा जा रहा था। कैदीपार्टी की सरकारी गाड़ी क्रमांक टल्12 द 6855 में सभी को बैठाने की प्रक्रिया चल रही थी। गाड़ी में जगह कम होने के चलते पुलिस ने कुछ कैदियों को पीछे बैठने का निर्देश दिया। इसी बात पर चार आरोपी आकाश रामजीलाल वाल्मीकी, गणेश उर्फ शालु धरमवीर मरोठीया, योगींदर उर्फ भोलू धरमवीर मरोठीया और विवेक शंकर यादव भड़क गए।

चारों ने मिलकर पहले पुलिस का कॉलर पकड़कर धक्का-मुक्की की और गालियां दीं। इसके बाद उन पर हाथापाई की। अचानक हुए इस हमले में एक पुलिसकर्मी जख्मी हो गया। घटना के बाद कोर्ट परिसर में भगदड़ और खलबली मच गई। मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने स्थिति पर नियंत्रण पाया और हमलावर कैदियों को काबू में कर लिया। महात्मा फुले चौक पुलिस थाने में चारों आरोपियों के खिलाफ सरकारी काम में अड़चन निर्माण, मारिपीट और गाली-गलौज करने समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भारत में तेजी से बढ़ रहा है एआई चैटबॉट फ्रॉड : क्विक हील

मुंबई। साइबरसिक्योरिटी समाधान उपलब्ध कराने वाली अग्रणी कंपनी क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एक चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी की है। इसमें खुलासा हुआ है कि भारत में एआई चैटबॉट फ्रॉड के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि अब साइबर अपराधी आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर ऑटोमेटिक फ्रॉड फैक्ट्रियाँ बना रहे हैं। ये चैटबॉट्स बैंकों, डिलीवरी सेवाओं और सरकारी एजेंसियों जैसी भरोसेमंद संस्थाओं की हूबहू नकल करते हैं और एक ही समय में हजारों लोगों को निशाना बना सकते हैं। भारत की सबसे बड़ी मैलवेयर जांच लैब सेक्योराइट लैब्स के शोधकताओं ने पाया है कि हर महीने हजारों नए एआई-आधारित धोखाधड़ी टूल सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, एआई चैटबॉट स्कैम 2025 की सबसे बड़ी डिजिटल चुनौतियों में से एक बन चुके हैं। पारंपरिक फि शिंग से अलग, ये चैटबॉट बातचीत के दौरान खुद को बदल लेते हैं–कभी नकली डिलीवरी चार्ज, कभी झूठे कस्टम शुल्क या फर्जी टेक सपोर्ट फीस का बहाना बनाकर। खतरनाक बात यह है कि एक ही सर्वर से एक साथ हजारों फर्जी चैट चलाए जा सकते हैं। क्विक हील के विश्लेषण के मुताबिक, लोग चैटबॉट और वॉयस असिस्टेंट पर जो भरोसा करते हैं, अपराधी उसी का फायदा उठा रहे हैं। सबसे ज्यादा मामले फर्जी कस्टमर सपोर्ट चैटबॉट्स के हैं, जो अकाउंट हैक या ब्लॉक जैसी बनावटी स्थिति दिखाकर बैंकिंग डिटेल चुरा लेते हैं। वहीं, रोमांस स्कैम अब एआई भाषा मॉडल से हफ़्तों तक भावनात्मक बातचीत करते हैं, एआई से बनी तस्वीरें भेजते हैं और फिर पीड़ित से लोन या फर्जी क्रिप्टो एक्सचेंज पर पैसा लगाने को कहते हैं। इसके अलावा, वॉयस असिस्टेंट फ्रॉड में अपराधी नकली ऐप्स बनाते हैं और वॉयस क्लोनिंग से परिवारजनों की आवाज नकल कर इमरजेंसी का बहाना बनाकर ठगी करते हैं। इन स्कैम्स की सबसे बड़ी चिंता है उनकी स्मार्ट और चालाक तकनीक। फ्रॉडजीपीटी जैसे अंडरग्राउंड एआई टूल्स उन्हें ऐसे फि शिंग किट बनाने में मदद करते हैं जो बैंकिंग ग्राहकों से बात करते समय औपचारिक भाषा और गेमिंग यूजर्स से बात करते समय कैजुअल भाषा अपनाते हैं। हाल ही में देखे गए उदाहरणों में–डीएचएल-ब्रांडेड चैटबॉट्स कस्टम शुल्क मांगते हैं, व्हाट्सएप बॉट्स मेटा सिक्योरिटी बनकर पेज लॉगिन और पेमेंट डिटेल चुराते हैं, और वॉयस क्लोनिंग स्कैम्स परिवार की आवाज की नकल कर झूठे रिफंड कॉल्स करते हैं। यूजर्स को कुछ संकेतों पर सतर्क रहना चाहिए। अगर कोई चैटबॉट ओटीपी, बैंकिंग जानकारी या पासवर्ड माँगता है तो यह साफ तौर पर धोखाधड़ी का इशारा है, क्योंकि असली कंपनियाँ कभी भी चैट के जरिए संवेदनशील जानकारी नहीं मांगतीं। इसके अलावा, अजीब वाक्य संरचना, जल्दी निर्णय लेने के लिए दबाव डालने वाली भाषा, या गलत स्पेलिंग वाले संदिग्ध यूआरएल्स पर रीडायरेक्ट होना–ये सभी संभावित फ्रॉड के संकेत हैं। क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का कहना है कि यदि कोई भी ऐसा संकेत दिखे, तो तुरंत बातचीत बंद कर देनी चाहिए। ऐसे खतरों से बचाने के लिए क्विक हील ने Antifraud.AI लॉन्च किया है। यह भारत का पहला एआई-आधारित फ्रॉड प्रिवेंशन सॉल्यूशन है, जो यूजर्स को कई स्तरों पर सुरक्षा देता है। यह क्लाउड-आधारित सिस्टम हर चैट लिंक को लाइव थ्रेट इंटेलिजेंस से मिलाकर जांचता है, संदिग्ध वेबसाइटों को तुरंत ब्लॉक करता है और डार्क वेब पर लीक हुए यूजर डेटा की निगरानी करता है। इसमें कई उन्नत सुविधाएँ शामिल हैं, जैसे कि फि शिंग डिटेक्शन और तुरंत अलर्ट भेजना; बिना अनुमति माइक्रोफोन या कैमरा एक्टिव होने पर चेतावनी देना और धोखाधड़ी वाले ऐप्स की पहचान कर उन्हें रोकना। आजकल एआई-जनरेटेड कंटेंट इतना असली जैसा लगने लगा है कि इसे इंसानी बातचीत से अलग करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने चेतावनी दी है कि केवल अपनी समझ पर भरोसा करें वाली सलाह अब पर्याप्त नहीं है। इस नए डिजिटल खतरे से बचने के लिए तकनीकी सुरक्षा उपाय, सत्यापन प्रक्रियाएँ और लोगों में जागरूकता–तीनों का होना जरूरी है। यह बढ़ते साइबर अपराध और अपराधियों की नई तरकीबों को देखते हुए एक अहम कदम है।

गर्भाशय मुख के कैंसर की रोकथाम के लिए डिजिटल पहल

मुंबई। भारत में महिलाओं में गर्भाशय मुख के कैंसर को रोकने के लिए अब एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन निमार्ता संस्था सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और स्वास्थ्य सेवा प्रदाता तथा बजाज फिनसर्व का हिस्सा विदाल हेल्थ ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है।

यह डिजिटल प्लेटफॉर्म 1 अक्टूबर 2025 से देशभर में कार्यशील हो जाएगा। इसके माध्यम से महिला मरीजों को एचपीवी टीकाकरण का अनुभव कैशलेस, पेपरलेस और पूरी तरह से डिजिटल मिलेगा। इस प्लेटफॉर्म पर डॉक्टर का समय तय करने से लेकर सहमति पत्र भरने और प्रमाणपत्र प्राप्त करने तक की सभी प्रक्रियाएँ ऑनलाइन होंगी। साथ ही, वैक्सीन की खुराक के शेड्यूल के लिए रिमाइंडर और उपचार की निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रबंधन (मैनेजमेंट) सहायता करेगा। बजाज फिनसर्व के अध्यक्ष संजीव बजाज ने यह राय व्यक्त की कि जैसे-जैसे स्वास्थ्य सेवाएँ निवारक उपचारों की ओर बढ़ रही हैं, यह पहल लोगों में अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने की क्षमता को बढ़ाएगी।

पुणे में 14 मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से 15 वर्षीय किशोर की मौत, पांच घायल

पुणे। पुणे में शुक्रवार को 14 मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से 15 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि अपराह्न के समय उंद्री में जगदंबा भवन रोड पर स्थित मार्वल आइडियल सोसाइटी की 12वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में आग लग गई। उन्होंने बताया कि अग्निशमन अभियान के दौरान गैस सिलेंडर फट गया, जिससे दो अग्निशमन कर्मी घायल हो गए।

अधिकारी ने बताया, पांच दमकल गाड़ियां और एक यांत्रिक सीढ़ी वाला वाहन घटनास्थल पर भेजा गया। जब दमकलकर्मी पानी पाइप लेकर ऊपरी मंजिलों पर पहुंचे और आग बुझानी शुरू की तो एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया, जिससे दो दमकलकर्मी और तीन निवासी घायल हो गए। इस घटना में 15 वर्षीय लड़के की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घायलों को निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है तथा जले हुए स्थानों को ठंडा किया जा रहा है।

स्ट्रीक्स शाइन हेयर सीरम की ब्रांड एम्बेसेडर बनीं सारा अली खान

मुंबई। हाइजेनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख ब्रांड स्ट्रीक्स ने बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री सारा अली खान को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। इसके साथ ही ब्रांड ने अपना नया टीवीसी कैंपेन फ्रिज गॉन, स्मूथ शाइन ऑन लॉन्च किया है, जिसमें सारा अपनी चुलबुली और आत्मविश्वासी पर्सनैलिटी के साथ दिखाती हैं कि कैसे स्ट्रीक्स शाइन हेयर सीरम कुछ ही सेकंड्स में बालों को स्मूद, चमकदार और फ्रिज-फ्री बना देता है। अपनी जिंदादिल पर्सनालिटी, यूथफुल चार्म और सहज स्टाइल के साथ, सारा अली खान स्ट्रीक्स के उस विश्वास को बखूबी दशार्ती हैं कि हर महिला शाइन ऑन कर सकती है – यानी आत्मविश्वास के साथ चमक सकती है। उनका नैचुरल एलीगेंस और रिलेटेबल अंदाज उन्हें स्ट्रीक्स शाइन हेयर सीरम का परफेक्ट फेस बनाते हैं। यह ब्रांड बालों को खूबसूरत बनाने की क्षमता के लिए मशहूर है। इस साझेदारी को सेलिब्रेट करने के लिए स्ट्रीक्स ने नया टीवीसी कैंपेन फ्रिज गॉन, स्मूद ऑन लॉन्च किया है, जिसमें सारा मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रोजाना के पलों–जैसे कि हवा भरी छतों या व्यस्त सफर–जहां बाल अचानक उलझ (फ्रिज) सकते हैं, के जरिये दिखाया गया है कि कैसे बालों में बस जरा सा स्ट्रीक्स शाइन हेयर सीरम लगाते ही महज सेकंड में बाल स्मूद, ग्लॉसी और कैमरा-रेडी बन जाते हैं। कैंपेन के जरिये यह बताया गया है कि यह महिलाओं के लिए बालों को खूबसूरत और चमकदार बनाए रखने का एक भरोसेमंद समाधान है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किए गए दिनेश अग्रहरि

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। जीवन बीमा निगम के अभिकर्ता के रूप में एक दिन में सर्वाधिक बीमा करने वाले लोगों का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

निगम द्वारा ऐसे अभिकताओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। उल्हासनगर निवासी दिनेश अग्रहरि और उनके पुत्र जितेश अग्रहरि ने भी यह सर्टिफिकेट प्राप्त कर जीवन बीमा निगम के क्षेत्र में नाम रोशन किया है। उन्हें यह सर्टिफिकेट मिलने पर अनेक लोगों ने उन्हें बधाई दी है। उल्हासनगर शाखा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक पंकज रहाटे के हाथों उन्हें यह सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ।

स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के तहत सोमटा में भव्य आरोग्य शिविर आयोजित

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत 25 सितम्बर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोमटा में भव्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं कुपोषणमुक्त महाराष्ट्र टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ. दीपक सावंत के करकमलों से संपन्न हुआ। शिविर में महिलाओं के लिए उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख, स्तन एवं गर्भाशय कैंसर की जांच की गई। साथ ही क्षय रोग एवं रक्ताल्पता की जांच, किशोरियों के लिए परामर्श, सिकल सेल जांच व कार्ड वितरण किया गया। गर्भवती महिलाओं के लिए हिमोग्लोबिन जांच, पोषण एवं आहार संबंधी मार्गदर्शन, माता-बाल संगोपन कार्ड वितरण एवं टीकाकरण सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना (पीएम-जय) और आभा कार्ड भी बनाए गए। शिविर में कुल 119 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें 98 महिलाएं, 21 पुरुष और 45 गर्भवती माताएं शामिल थीं। 95 लोगों का रक्तचाप व मधुमेह परीक्षण, 98 महिलाओं का मुख व स्तन कैंसर परीक्षण, 36 लोगों का सिकल सेल परीक्षण, 40 का हिमोग्लोबिन परीक्षण, 3 का टीबी परीक्षण हुआ। वहीं 30 लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड वितरित किए गए और 98 महिलाओं को परामर्श सेवा दी गई। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ आहार, स्वच्छता, मासिक धर्म के दौरान देखभाल एवं संतुलित जीवनशैली के महत्व की जानकारी दी गई। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का मूल संदेश सोमटा में सफलतापूर्वक लोगों तक पहुँचाया गया।

इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित मान्यवरों में डॉ. आशिष भारती (उपसंचालक, स्वास्थ्य सेवा, पुणे), डॉ. सुहास माने (सहसंचालक, ठाणे), डॉ. रामदास मराड (जिला शल्य चिकित्सक, जिला अस्पताल पालघर), डॉ. संतोष चौधरी (जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला परिषद पालघर), व्यंकटराव हुंडेकर (जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग), डॉ. शशिकांत सालुंखे (सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी), डॉ. तनवीर शेख (तहसील स्वास्थ्य अधिकारी), डॉ. पूजा सावंत (चिकित्सक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोमटा) सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

तहसील स्तरीय प्लास्टिक कचरा प्रबंधन प्रकल्प व फिरते वाहन का शुभारंभ

पालघर (उत्तरशक्ति)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-2 के अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरोली में तहसील स्तरीय प्लास्टिक कचरा प्रबंधन प्रकल्प तथा प्लास्टिक संकलन हेतु फिरते वाहन का उद्घाटन जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों सम्पन्न हुआ।

ज्ञात हो कि तेजी से बढ़ते प्लास्टिक उपयोग और गलत निस्तारण के कारण खेतों, नालों, नदियों, समुद्र तटों, पर्यटन स्थलों तथा गांवों में प्लास्टिक कचरे का अंबार लग रहा है। इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्रों का विद्रुपीकरण हो रहा है, बल्कि गंभीर पर्यावरणीय खतरा भी उत्पन्न हो रहा है। ऐसे में उमरोली ग्राम पंचायत में आरंभ किया गया यह प्रकल्प कचरा प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस प्रकल्प से जुड़ी ग्राम पंचायतों के लिए सोमवार से शनिवार तक प्लास्टिक संकलन का दैनिक मार्ग तय किया गया है। कार्यक्रम को प्रभावी बनाने हेतु तहसील की सभी ग्राम पंचायतों को अपने-अपने क्षेत्र का प्लास्टिक कचरा नियमित रूप से

जमा करने के निर्देश मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने दिए। इस अवसर पर जिला जल एवं स्वच्छता विभाग के प्रकल्प संचालक अतुल पारसकर, पंचायत समिति पालघर के गटविकास अधिकारी राहुल कालभोर, सहायक गटविकास अधिकारी बापूराव नाले, विस्तार अधिकारी शिंदे, ग्राम पंचायत उमरोली के सरपंच प्रभाकर पाटील, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत अधिकारी मोरे सहित जिला परिषद, पंचायत समिति व ग्राम पंचायत के कर्मचारी तथा ग्रामस्थ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हनुमान नगर में महिला सम्मेलन व पोषण मेला आयोजित

पालघर (उत्तरशक्ति)। ग्रामपंचायत हनुमान नगर हॉल में दिनांक 24 सितम्बर 2025 को महिला मेलावा, पोषण मेलावा, ग्रामपंचायतराज संस्थेतील लोकप्रतिनिधियों का प्रशिक्षण तथा 8वें राष्ट्रीय पोषण महाअभियान अंतर्गत बालक-पालक मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर 125 महिलाओं और 25 किशोरवयीन बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद सदस्य भावना विचारे उपस्थित रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच गुलाबताई खरपडे ने की। इस अवसर पर सालवड ग्रामपंचायत सदस्या व पूर्व उपसरपंच कविता राऊत, सदस्या दिपाली पाटील, उपसरपंच प्रदीप रिंजड, सदस्या रंजना डोके, प्राथमिक आरोग्य केंद्र तारापुर की वैद्यकीय अधिकारी डॉ. वैभवी देशपांडे, डॉ. नम्रता संखे, स्वप्निल एकदरे, नरेंद्र चोथे, विश्वास राऊत, कृषी मंडल अधिकारी संजय वाघमारे, तनुजा मुकणे, रेखा पाटील, पर्यवेक्षिका रत्नमाला गायकवाड, सभी आंगनवाड़ी सेविका व सहायिका, ग्राम संघ अध्यक्ष, सचिव, बचतगट सदस्य व बड़ी संख्या में ग्रामस्थ महिलाएं उपस्थित थीं। अतिथियों ने अपने मार्गदर्शन भाषण में महिलाओं को स्वास्थ्य, आहार और पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। डॉ. नम्रता संखे ने जननी सुरक्षा योजना, सिकलसेल जाँच, एचबी टेस्ट, कुष्ठ, क्षयरोग और त्वचारोग पर विस्तृत जानकारी दी। कृषी मंडल अधिकारी संजय वाघमारे ने कृषि योजनाओं की जानकारी प्रदान की। पर्यवेक्षिका रत्नमाला गायकवाड ने लेक लाडकी योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित महिला एवं बालकल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की रूपरेखा समझाई। ग्रामविकास अधिकारी निमिषा संखे ने मुख्यमंत्री समृद्ध ग्रामपंचायत अभियान और संपन्न ग्राम विकास कृती आराखड़ा पर मार्गदर्शन किया।

प्राथमिक आरोग्य केंद्र तारापुर की टीम द्वारा ह्रस्वस्थ नारी ह्र सशक्त परिवारह्व अभियान के अंतर्गत एचबी टेस्ट, सिकलसेल जाँच और स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधि वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में पाककला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता और सुदृढ़ बालक प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। विजेताओं को सम्मानित अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गए। कार्यक्रम का संचालन नीता पाटील ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन एवं समापन रत्नमाला गायकवाड ने किया।

एनसीपी के वरिष्ठ नेता पर हत्या की सुपारी देने का मामला दर्ज

मामले में कितनी सच्चाई पुलिस जांच का विषय

चेतन निर्मल संवाददाता

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता वंडर पाटिल पर शिवसेना (शिंदे गुट) के पदाधिकारी महेश पाटिल और सुजीत नलावड़े की हत्या की सुपारी देने का गंभीर आरोप लगा है। इस मामले में विष्णुनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और हत्या की सुपारी की ऑडियो क्लिप पुलिस को सौंप दी गई है। ठाणे क्राइम ब्रांच मामले की जाँच कर रही है। कल्याण ग्रामीण शिवसेना (शिंदे गुट) के पदाधिकारियों महेश पाटिल और सुजीत नलावड़े ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह खुलासा किया। महेश पाटिल ने बताया कि वंडर पाटिल ने मुज्जमिल बुबेरे नाम के एक व्यक्ति

को सुजीत नलावड़े और महेश पाटिल या उनके बेटे की हत्या की सुपारी दी गई । महेश पाटिल ने बताया कि विषय की गम्भीरता को देखते हुवे पुलिस को लिखित शिकायत की गई थी । पुलिस ने पूरे मामले की जांच पड़ताल कर राष्ट्रवादी नेता पर मामला दर्ज करते हुवे विष्णुनगर पुलिस ने पूरे मामले को ठाणे क्राइम ब्रांच को सौंप दिया है । बतादे की राष्ट्रवादी नेता वंडर पाटिल और महेश पाटिल के बीच काफी समय से दुश्मनी चल रही है । महेश पाटिल द्वारा उनके हत्या की बात में कितनी सच्चाई है यह तो पुलिस जांच का विषय है। लेकिन राजनीतिक गलियारों में खलभली मची हुई है।

28 सितंबर को मनाया जायेगा विश्व रेबीज दिवस

पालघर (उत्तरशक्ति)। हर वर्ष 28 सितंबर को विश्व रेबीज दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य रेबीज नामक घातक प्राणिजन्य रोग के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और इसके बचाव के उपायों को जन-जन तक पहुँचाना है। यह दिन 2007 से पूरी दुनिया में मनाया जा रहा है और इसका आयोजन महान वैज्ञानिक लुई पाश्चर की पुण्यतिथि पर किया जाता है। इस वर्ष का नारा है एक्ट नांव; यू, मी एंड कम्युनिटी। रेबीज मुख्यत पागल या संक्रमित जानवरों की लार से फैलता है। यह रोग प्रायः कुत्ता, बिल्ली, लोमड़ी, भेड़िया, बंदर, गाय, भैंस तथा कुछ देशों में चमगादड़ों के काटने से मनुष्यों में प्रवेश करता है।

बचाव के लिए आवश्यक उपाय, किसी भी जानवर के काटने पर घाव को तुरंत साबुन और बहते पानी से कम से कम 5 से 10 मिनट तक धोना चाहिए। इसके बाद डॉक्टर की सलाह अनुसार रेबीज निरोधक टीके समय पर लगवाना जरूरी है। कैटिगिरी -III यानी गंभीर घावों के मामलों में टीकों के साथ-साथ इम्युनोग्लोबलिन इंजेक्शन भी आवश्यक होता है। घाव पर कोई

घरेलू उपचार या अन्य पदार्थ लगाने से बचना चाहिए। भारत सरकार ने वर्ष 2017-18 से राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया है। इसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश को पूरी तरह रेबीज मुक्त बनाना है। इस कार्यक्रम के तहत आमजन में जागरूकता, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती, मरीजों की पहचान व प्रबंधन, आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रण तथा पालतू पशुओं का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। पालघर जिले की स्थिति, जिले में हर वर्ष कुत्तों और अन्य जानवरों के काटने के मामले बढ़ रहे हैं। वर्ष 2022-23 में 6256 कुत्ते के काटने और 1771 अन्य जानवरों के काटने के मामले दर्ज हुए। वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा बढ़कर 7043 कुत्ते और 2468 अन्य पशु काटने के मामलों तक पहुँचा।

वर्ष 2024-25 में 8146 कुत्ते और 3275 अन्य जानवरों के काटने के मामले सामने आए। पिछले तीन वर्षों में जिले में रेबीज से 5 लोगों की मौत भी दर्ज की गई है। रेबीज से बचाव के लिए समय पर उपचार, सही लसीकरण और जनजागृति ही सबसे प्रभावी उपाय हैं। इस विश्व रेबीज दिवस पर जिला स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है स्वयं सुरक्षित रहें और समाज को भी सुरक्षित रखें।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अपर पुलिस निदेशक वाराणसी के आदेश पर धोखाधड़ी, जालसाजी, जान से मारने की धमकी का मुकदमा दर्ज

दूसरे के मकान पर 9 लाख रुपये का ले लिया था लोन, पुलिस कर रही है मामले की जांच

बरईपार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय जौनपुर शहर के विशेश्वरगंज थाना लाइन बाजार निवासी जितेंद्र गुप्ता पुत्र स्वर्गीय लाल जी गुप्ता ने अपर पुलिस निदेशक वाराणसी के यहां प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनका मूल निवास कस्बा खिंसुवा खास मछली शहर में है। वहां उनका एक बैनामा सुदा मकान है जिसकी रजिस्ट्री हम दो भाई लोगों ने मिलकर करवाई थी दोनों भाइयों का मकान और दुकान एक साथ बना है। बीमारी की वजह से आना-जाना कम हो गया था उन्हें हृदय संबंधित बीमारी ग्रसित है काफी दिन से इलाज चल रहा था लेकिन पैसे के अभाव में जब वे अपने मकान पर लोन लेने के लिए यूनियन बैंक की शाखा मछली शहर में गए तो उनको पता लगा कि उनके मकान पर पहले से ही शक्ति एंटरप्राइजेज के नाम से रू0 9 लाख का लोन चल रहा है। शक्ति एंटरप्राइजेज की प्रॉपर्टी उनके भाई की पत्नी ज्योति अग्रहरि हैं। मैनेजर ने कहा आपकी सहमति से लोन हुआ है। जबकि हमारे मकान का कागज हमारे पास में है लोन कैसे हुआ यह हमें कोई जानकारी नहीं है ।वह अपने भाई अनिल के पास जब इस बात की जानकारी लेने गए तो भाई ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और कहा कि लोन मैंने लिया है जो करना हो कर लीजिए। हमको और हमारी पत्नी बेटे को भी बुरा भला कहा और धमकी दिया यहां दिखोगे तो जान से मार देंगे। जितेंद्र गुप्ता ने बताया मैं जौनपुर मे रहता हूं और यहां आना-जाना कम हो गया था अपने दुकान और मकान की चाबी अपने भाई अनिल कुमार को देकर गया था। लेकिन हमें क्या पता था कि हमारा मकान गिरवी रखकर लोन ले लिया जाएगा हमारे साथ षडयंत्र और विश्वास घात किया गया।इसकी शिकायत मैंने 21 जुलाई को मछली शहर कोतवाली मे किया था लेकिन कोतवाली और पुलिस अधीक्षक जौनपुर के यहां से कोई मदद नहीं मिलने पर मैं अपर पुलिस निदेशक वाराणसी के यहां गया जिनके आदेश पर मछली शहर कोतवाली मे शक्ति इंटरप्राइजेज और उसकी प्रोपराइटर ज्योति अग्रहरि और गारन्टर अनिल के खिलाफ धोखाधड़ी जालसाजी जान से मारने की धमकी आदि गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर किया गया है। इस संबंध में कोतवाली निरीक्षक विनीत राय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पुलिस मामले की जांच कर रही है जो भी तथ्य प्रकाश में आएंगे उसके हिसाब से कार्रवाई होगी मामला गंभीर और पेचीदा है।

कानपुर के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शनों पर पुलिस कार्रवाई, 1324 मुस्लिमों पर केस, 38 गिरफ़्तार

कानपुर(उत्तरशक्ति)। कानपुर में आई लव मोहम्मद ? लिखे बैनर को लेकर दर्ज हुई एफआईआर अब राष्ट्रीय स्तर पर विवाद का विषय बन गई है। इस घटना के विरोध में देशभर के कई शहरों और कस्बों में प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अब तक 21 नई एफआईआर दर्ज की हैं। इन एफआईआर में कुल 1,324 मुस्लिमों को आरोपी बनाया गया है, जिनमें से अब तक 38 व्यक्तियों की गिरफ़्तारी हो चुकी है।

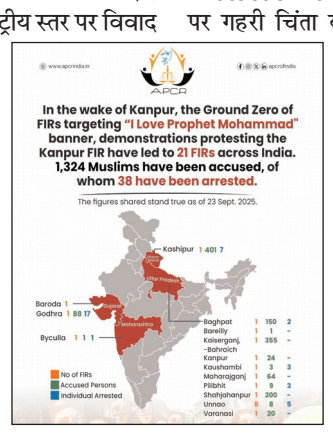

कानपुर की घटना से शुरू हुआ यह सिलसिला अब कई राज्यों तक फैल गया है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की बड़ी संख्या में दर्ज की गई एफआईआर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं।

एपीसीआर (Association for Protection of Civil Rights) ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है। संगठन का कहना है कि ह्यशांति और संविधानिक अधिकारों के दायरे में किए गए प्रदर्शनों को अपराध बताना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। यह साफ तौर पर मुस्लिम समुदाय को सामूहिक रूप से निशाना बनाने का प्रयास प्रतीत होता है। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि वह पक्षपातपूर्ण रवैये को छोड़कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करे।

एपीसीआर ने यह भी मांग की है कि बिना पर्याप्त सबूत और ठोस आधार के दर्ज की गई एफआईआर को वापस लिया जाए और गिरफ्तार किए गए लोगों को न्याय दिलाया जाए। उपलब्ध आंकड़े 23 सितंबर 2025 तक की स्थिति को दर्शाते हैं।

एपीसीआर को 2024 संभल हिंसा मामले में आरोपी तनवीर और सलमान के लिए जमानत में मिली कामयाबी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एपीसीआर ने 2024 संभल हिंसा मामले में आरोपी तनवीर और सलमान के लिए जमानत हासिल कर ली है। माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने थाना संभल, जनपद संभल में दर्ज केस क्राइम संख्या 336/2024 और 333/2024 में उन्हें जमानत प्रदान की है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत आरोप तय किए गए थे, जिनमें धारा 109(1), 121(1), 121(2), 125, 132, 190, 191(2), 191(3), 221, 223(बी), शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 25(1-ए), 25(1-एबी) तथा आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 1932 की धारा 7 शामिल हैं। मुकदमा शीर्षक : तनवीर बनाम उत्तर प्रदेश राज्य- मुकदमा संख्या : 31921/2025, मुकदमा शीर्षक : सलमान बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, मुकदमा संख्या : 33161/2025। इस मामले में एपीसीआर की ओर से एडवोकेट शम्सुल इस्लाम, राज किरण चौधरी और इरशाद अहमद उपस्थित हुए। एपीसीआर हिंसा के पीड़ितों को न्याय दिलाने और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

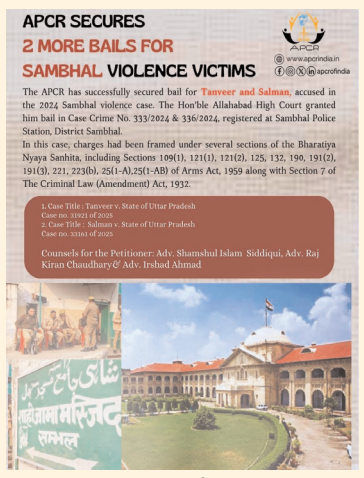

मेडिकल कालेज की एमबीबीएस छात्रा शिखा सिंह एवं रिया तिवारी को प्रधानाचार्य ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल द्वारा एम०बी०बी०एस० छात्राओं का क्वटफरळर 2025 के शोध में चयन होने के उपरान्त छात्रा, शिखा सिंह एवं रिया तिवारी तथा उनके प्रोजेक्ट गाइड डा० पूजा पाठक एवं डा० नवीन कुमार सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने कहाँ कि यह उपलब्धि न केवल इन दोनों छात्राओं के परिश्रम तथा अनुसंधान में गहरी रूचि एवं निरंतर लगन का परिणाम है। बल्कि हमारे संस्थान की गुणवत्ता और शोध संस्कृति का भी परिचायक है। आईसीएमआर-एसटीएस जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रतिस्पर्धी मंच पर चयनित होना अत्यंत गौरव की बात है। इससे हमारे विद्यार्थियों को शोध पद्धतियों, वैज्ञानिक लेखन, डाटा विश्लेषण और चिकित्सा विज्ञान की जटिलताओं को गहराई से समझने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से शिखा सिंह और रिया तिवारी एवं उनके गाइड डा० पूजा पाठक एवं डा० नवीन कुमार सिंह तथा कम्युनिटी मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डा० मुदित चौहान को इस सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह अवसर छात्रों को उत्कृष्ट शोधकर्ता एवं संवेदनशील चिकित्सक बनने की दिशा में प्रेरित करेगा। छात्रों का शोध में आगे बढ़ना न केवल संस्थान के लिए बल्कि चिकित्सा जगत के लिए भी एक आशा की किरण है। मैं सदैव अपने छात्रों के साथ खड़ा हूँ और शोध कार्य में उन्हें हर संभव सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करता रहूँगा। शोध और नवाचार की दिशा में हमारें कॉलेज का द्वार छात्रों के लिए हमेशा खुला रहेंगा।

प्रधानाचार्य ने इस उपलब्धि को आने वाले पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक बताते हुए छात्रों से अपेक्षा की कि वे चिकित्सा क्षेत्र में अपने ज्ञान और नवाचार से समाज की सेवा करें। सम्मान प्राप्त करने के बाद छात्राओं ने सर्वप्रथम प्रधानाचार्य का आभार व्यक्त किया और कहा कि आईसीएमआर एसटीएस 2025 के लिए मेरा चयन होना मेरे लिए गर्व और उत्साह का विषय है। यह उपलब्धि मेरे गाइड एवं कॉलेज के सहयोग के बिना संभव नहीं थी। यह सम्मान मुझे और अधिक समर्पण के साथ शोध कार्य करने कि लिए प्रेरित करता है। मैं हृदय से अपने शिक्षकों एवं कॉलेज परिवार का आभार व्यक्त करती हूँ।

जौनपुर में दूषित पानी से हजारों परिवार खतरे में, अवैध आरओ संयंत्रों पर कार्रवाई की मांग

अवैध जल संयंत्रों से जौनपुर में स्वास्थ्य संकट, नागरिकों का हल्ला बोल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर में अवैध आरओ जल संयंत्रों से सप्लाई होने वाला दूषित पानी बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरा बन गया है। विकास तिवारी के नेतृत्व में जागरूक नागरिकों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बिना खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (ऋरअक) के लाइसेंस और भूजल प्राधिकरण (उऋअ) की मंजूरी के संचालित इन संयंत्रों की तत्काल जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जौनपुर में सैकड़ों अवैध आरओ संयंत्र बिना किसी मानक के पानी की आपूर्ति कर रहे हैं, जिसमें नाइट्रेट, बैक्टीरिया, आर्सेनिक और उच्च स्तर के घुले हुए पदार्थ (ळऊऋ) जैसे हानिकारक तत्व हो सकते हैं। यह ब्लू बेबी सिंड्रोम, कैंसर, गुर्दे की पथरी, मधुमेह, सांस की बीमारी, हृदय रोग और पेट की बीमारियों का कारण बन सकता है। गैर-बीपीए जार का उपयोग इस जोखिम को और बढ़ा रहा है।

हाल के महीनों में जौनपुर के कई इलाकों में बढ़ी बीमारियों ने हजारों परिवारों के स्वास्थ्य को खतरे में डाला है। इन संयंत्रों द्वारा बिना अनुमति के भूजल का अत्यधिक दोहन जिले के भूजल स्तर को खतरनाक रूप से कम कर रहा है, जो पर्यावरण के लिए भी गंभीर चुनौती है। हमारे बच्चों का भविष्य और परिवारों का स्वास्थ्य दांव पर है। जिलाधिकारी को दिये गये ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई हैं कि सभी आरओ जल संयंत्रों की तत्काल जांच और ऑडिट हो।बिना लाइसेंस वाले संयंत्रों को तुरंत सील किया जाय। जल की गुणवत्ता की नियमित जांच को अनिवार्य किया जाय।दोषी संचालकों पर कठोर कानूनी कार्यवाही हो।स्वास्थ्य जागरूकता अभियान और स्वतंत्र सर्वेक्षण का आयोजन हो। जिलाधिकारी से इस गंभीर मामले में 15 दिनों के भीतर जांच पूरी कर कार्यवाही की सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करने की मांग की गई है। साथ ही, खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (ऋरअक) से सूचना का अधिकार (फळक) के माध्यम से जानकारी मांगी गई है। जौनपुर की जनता अपने परिवारों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के लिए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की उम्मीद कर रही है।

ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से विकास तिवारी, आशीष शुक्ला, अतुल सिंह, विराज ठाकुर, डा. अब्बासी,अंकित यादव, रोहित पाठक, शिवराज यादव, शिवम शर्मा, कुलदीप यादव,विकास पाण्डेय, शिव मिश्र, राकेश मिश्र, देवेश मौर्य, शैलेन्द्र यादव, सौरभ यादव, ऋषिकेश यादव,गौरव शुक्ल, प्रदीप यादव, रंजीत यादव, मन्नू प्रजापति, शिवशंकर यादव डब्बू, नीरज पाठक आदि उपस्थित रहे।

बच्चों मेहनत से पढ़ों, आप ही देश के भविष्य हो: कुलपति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव जासोपुर (विकासखण्ड करंजकला) के प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। कुलपति के हाथों कॉपी, कलम, किताब, पेंसिल आदि शिक्षण सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि आप मेहनत से पढ़ाई करो, आप ही देश के भविष्य हो। वहीं शिक्षकों से संवाद करते हुए उन्होंने बताया कि कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल का सपना है कि विश्वविद्यालय अपने आस-पास के गांवों को गोद लेकर उनके विकास के लिए कार्य करें।

शिक्षण सामग्री पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

विश्वविद्यालय न केवल शिक्षण एवं शोध कार्य में बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में भी अग्रसर है। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका सै. हिना औन रिजवी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव द्वारा कुलपति का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत से हुई। गांव गोद कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. राकेश कुमार यादव ने अब तक गांव में किए गए कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया। इस अवसर पर अध्यापिका आशा मौर्या, वर्तिका यादव, एकता गुप्ता, प्रशांत यादव, शिक्षामित्र विजयलक्ष्मी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री शशिकला पाल एवं अंजूलता, आंगनबाड़ी सहायिका बंदना सिंह व बबिता सहित सर्वेश यादव, संतोष सिंह, संदीप यादव आदि उपस्थित रहे।

सर्पदंश से युवती की मौत

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत गोड़िला गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आया है। जहां गुरुवार की देर शाम घर के अंदर सांप ने एक युवती को काट लिया। जिसके चलते युवती अचेत हो गई। परिजन इलाज हेतु एक चिकित्सालय लाए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। क्षेत्र के बीबीगंज चौकी अंतर्गत गोडिला गांव निवासी 20 वर्षीय नजमा पुत्री अलाउद्दीन गुरुवार शाम 7 बजे घर में खाना बनाने के बाद लाइट बंद करने जा रही थी। इसी दौरान उसका पैर कुंडली मारकर बैठे सांप पर पड़ गया। दबते ही सांप ने तुरंत उसके पैर में डंस लिया। चीख पुकार सुनकर परिजन और ग्रामीणों ने उसे इलाज हेतु एक चिकित्सालय में ले गए। लेकिन चिकित्सको युवती को मृत घोषित कर दिया। मोहम्मद अलाऊद्दीन की बेटी नगमा पांच बहनों में सबसे बड़ी थी। उसकी शादी फरवरी में होनी थी। इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। घर में चारों तरफ मातम का माहौल है।

'मुझे आजादी दिला दें', पत्नी ने बताई लोकेशन, प्रेमी ने पति को मार डाला, मिल गई हमेशा के लिए आजादी

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। जनपद में एक महिला संध्या ने प्रेमी विकास के साथ मिलकर अपने पति रवि सिंह उर्फ सोनू सिंह की हत्या कर दी। यह घटना रवि सिंह के खेत पर हुई, जहां वह मजदूरों को खाना देने गए थे। हत्या की यह साजिश इसलिए रची गई, क्योंकि संध्या को विकास से प्यार हो गया था। संध्या ने फोन पर रवि की लोकेशन विकास को दी, जिसके बाद विकास ने लोहे की रॉड से हमला कर रवि की हत्या कर दी। हत्या के बाद विकास ने शव को कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने कॉल डिटेल्स की मदद से, इस पूरे मामले का खुलासा किया।

पोखरियापुर में चोर दबोचा, साथियों के फरार होने से क्षेत्र में दहशत

सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र स्थित थाना सिकरारा के अंतर्गत ग्राम सभा पोखरियापुर में दिनांक 25 सितंबर को शाम 8 बजे एक घर के छत से किसी व्यक्ति को कूदते हुए किसी की निगाह पड़ी तो शोर मचाने पर लोग खोजबीन करने लगे। इसके कुछ देर बाद 500 मीटर दूर एक संदिग्ध युवक मिला। पूछताछ करने पर अलग-अलग पता बताने लगा। जिससे ग्रामीणो का संदेह गहरा हो गया और शोर मचाने पर सिकंदरा,जाम,भरथीपुर के ग्रामीण भी इकट्ठा हो गये। ग्राम प्रधान द्वारा पुलिस बुला कर चोर को सौंप दिया गया। इसी गांव में ठीक एक दिन पहले एक घर का दरवाजा काटकर खोला गया था। किंतु लोगों के भनक लग जाने से पड़ोसी इकट्ठा हो गए और जान माल का नुकसान नहीं हो पाया।चोर भाग गये थे।चोरों का आतंक क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और दहशत में ग्रामीण रात में जागकर पहरेदारी कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार चोर अकेले नहीं है, इसके साथी भागने में सफल रहे।

आजादी के बाद पहली बार डारीडीहा किशुनपुर में पहुंचेगी बिजली

विधायक जगदीश राय ने किया विद्युतीकरण का शिलान्यास

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आजादी के 78 साल बाद जफराबाद विधानसभा क्षेत्र का डारीडीहा किशुनपुर गांव आखिरकार अंधेरे से बाहर आने जा रहा है। गुरुवार को विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री जगदीश नारायण राय ने गांव पहुंचकर राजभर बस्ती में विद्युतीकरण कार्य का शिलान्यास किया।

ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से बिजली न मिलने के कारण उन्होंने कई बार अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला। विधायक जगदीश राय ने इस मुद्दे को विधानसभा तक उठाया और जनहित याचिका दाखिल की। इसके बाद शासन स्तर पर कार्रवाई तेज हुई और धनराशि स्वीकृत कर गांव के विद्युतीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई। शिलान्यास के मौके पर ग्रामीणों ने विधायक का माल्यार्पण कर आभार जताया। इस दौरान विधायक जगदीश राय ने कहा कि बिजली हर घर की पहली जरूरत है और जब तक डारीडीहा किशुनपुर पूरी तरह रोशन नहीं हो जाता, तब तक वे चैन से नहीं बैठेंगे। ग्रामीणों ने इस दिन को किसी पर्व जैसा खुशी का दिन बताया।

शिया पीजी कॉलेज में विद्यार्थियों में वितरित किया गया टैबलेट

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डॉ. अख्तर हसन रिजवी शिया पीजी कॉलेज में 123 छात्र, छात्राओं को स्वामी विवेकानंद सशक्तिकरण युवा योजना के तहत टैबलेट भाजपा उत्तरी मंडल के अध्यक्ष सारिका सोनी ने वितरित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार विद्यार्थियों की उन्नति के लिए कार्य कर रही है, ऐसे में यह टैबलेट उनकी शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देगा। विशिष्ट अतिथि के तौर पर एआरएम परिवहन निगम ममता दुबे मौजूद रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सादिक रिजवी ने किया। संचालन तहसीन शाहिद ने किया। इस मौके पर प्रबंध समिति के सदस्य ख्वाजा शमीर हसन, नोडल अधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. जाकिर हुसैन, एलटी मौर्या, ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी, अर्चना सिंह, डॉ. तसनीम फात्मा, ऋषि यादव, फैजान रजा, रजा अब्बास अन्य लोग मौजूद रहे।

भगत सिंह जयंती की पर राष्ट्रवादी नौजवान सभा द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी नौजवान सभा द्वारा बलिदानी भगत सिंह की जयंती पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन 27 सितंबर को श्री आरपी फामेर्सी कॉलेज,खजूरन, बदलापुर में आयोजित किया गया है उक्त कॉलेज के प्रबंधक प्रमोद कुमार शुक्ला (मोनू) ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का आयोजन राष्ट्रवादी नौजवान सभा के संस्थापक पूर्व सांसद धनंजय सिंह के सौजन्य तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन सिंह तथा सचिव राणा सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया है। सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक आयोजित शिविर में पॉपुलर हास्पिटल, वाराणसी की डॉक्टर यूनिट डॉ० के. पी.सिंह सिंह(MBBS,MD,Dipcard) चेस्ट एवं फेफड़ा रोग विशेषज्ञ, डॉ० विकास मिश्रा (MBBS,MD) फिजिशियन, डॉ० प्रियंका जायसवाल (MBBS,MS) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, डॉ. ऊर्जाश्वेता सिंह (MBBS,MD) चर्म रोग, कुष्ठ रोग,एलर्जी और सौंदर्य रोग विशेषज्ञ के साथ जौनपुर डॉक्टर यूनिट -डॉ० एम एम अब्बास (MBBS,MD,Dipcard) USA वरिष्ठ जनरल फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ० संदीप देशमुख (MBBS,MD,DM) नेफ्रोलाजी, किडनी रोग विशेषज्ञ, डॉ० संजय सिंह MD (फिजिसियन) ,डॉ० उत्तम गुप्ता (MBBS,MD) न्यूरो ,मानसिक रोग विशेषज्ञ),डॉ० बृजेश कन्नौजिया (नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ) MBBS, MS (ENT) सर्जन, डॉ० विपुल सिंह MBBS, DCH (पिडियाट्रिक्स), डॉ० निदा सलाम CGO (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ), डॉ० रॉबिन सिंह (MBBS. Ms), हड्डी रोग विशेषज्ञ,डॉ० एस. डी. अब्बासी B.P.T. NDEP (फिजियोथेरेपिस्ट), डॉ अजीत कुमार BDS, FDS (डेंटल सर्जन) तथा डॉ० संदीप मौर्य (UP. UMS (ऑप्टोमेटिस्ट) नेत्र रोग विशेषज्ञ भाग लेंगे । लोगों से इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

मिशन शक्ति 5 बालिकाओं के सशक्तिकरण हेतु प्रेरक आयोजन

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय महराजगंज में शुक्रवार को मिशन शक्ति 5.0 के तहत बालिकाओं के सशक्तिकरण व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक पूनम अग्रहरी ने की और संचालन एडीओ (आईएसबी) संजय श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी गीता भारती, एडीओ (एजी) अनिल कुमार व शिक्षिका पुष्पा मौर्य समेत कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे। संजय श्रीवास्तव ने मिशन शक्ति के उद्देश्यों–महिला सुरक्षा, सम्मान, आत्मनिर्भरता, अपराध रोकथाम व सशक्तिकरण–पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं के आर्थिक विकास में स्वयं सहायता समूह और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की भूमिका भी बताई। गीता भारती ने बालिकाओं को पोषण संबंधी जानकारी दी। अंजू सिंह ने महिला हेल्पलाइन की प्रक्रिया समझाई, वहीं रुचि पांडेय ने आत्मरक्षा और महिला सुरक्षा के उपाय बताए। कार्यक्रम में अध्यापिका बीना पांडेय, रश्मि यादव, ज्ञान देवी, राजमती सहित बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जागरूकता गतिविधियों से विद्यालय परिसर में आत्मविश्वास, सुरक्षा और नेतृत्व की भावना और मजबूत हुई।

मंच से यह संदेश दिया गया कि मिशन शक्ति 5.0 के माध्यम से नारीशक्ति और सशक्तिकरण का संकल्प जन-जन तक पहुँचाना ही हम सभी का उद्देश्य है।

इलिया पुलिस की पशु तस्करों से मुठभेड़ में एक तस्कर घायल, अहरौरा से बिहार लेकर जा रहे थे जानवर

चंदौली(उत्तरशक्ति)। जनपद के इलिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात पुलिस ने गश्त और चेकिंग के दौरान गोतस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक बोलेरो पिकअप से अहरौरा से बिहार की ओर आठ गोवंश ले जाए जा रहे हैं। जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने खझरा पहाड़ी के पास नाकेबंदी कर वाहन को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के रुकने के इशारे पर तस्करों ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें एक तस्कर सोनू अंसारी पुत्र स्व. तस्लीम अंसारी निवासी अहरौरा, मिजार्पुर के बाएं पैर में गोली लग गई। उसका साथी छोट्टू यादव अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पुराने कपड़ों के संकलन हेतु विश्वविद्यालय में सेवा अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश तथा कुलपति प्रो. वंदना सिंह जी के निदेर्शानुसार चल रहे सेवा पखवाड़ा (17 सितम्बर से 02 अक्टूबर) के तहत पुराने कपड़ों के संकलन का अभियान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद और वंचित वर्ग को स्वच्छ एवं उपयोग योग्य कपड़े उपलब्ध कराना रहा। विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कपड़े दान कर सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. अजय द्विवेदी ने बताया कि संकलित कपड़े बापू बाजार के माध्यम से न्यूनतम कीमत पर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे उनके आत्मसम्मान को ठेस न लगे और उनमें यह विश्वास रहे कि उन्होंने कपड़े खरीदे हैं, न कि मुफ्त में प्राप्त किए। सहायक नोडल अधिकारी डॉ. आलोक गुप्ता ने कहा कि यह पहल संसाधनों के समुचित उपयोग और समाजहित का अद्भुत उदाहरण है, जिससे दान करने वाले को भी संतोष और सुकून की अनुभूति होती है। कपड़ा दान करने वाले सभी प्रतिभागियों के प्रति प्रो. अजय द्विवेदी और डॉ. आलोक गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. मोहम्मद अबू सालेह, डॉ. मनोज त्रिपाठी, सुश्री यशि सिंह, सुश्री श्रृष्टि सिंह, शशांक भारती समेत वित्तीय अध्ययन विभाग के समस्त छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की।

स्नेहा दुबे ने वसई पापड़ी औद्योगिक एस्टेट का दौरा कर समस्याओं को लेकर की चर्चा

वसई। वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने आज पापड़ी औद्योगिक मालिक कल्याण संघ के पदाधिकारियों से मुलाकात कर पापड़ी औद्योगिक एस्टेट, वसई पश्चिम की समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु निर्देश दिए। विधायक स्नेहा दुबे ने कहा कि ₹औद्योगिक एस्टेट न केवल नए रोजगार सृजित करते हैं, बल्कि हजारों परिवारों को आजीविका के अवसर भी प्रदान करते हैं। इसलिए इन क्षेत्रों की समस्याओं का समय पर समाधान बेहद आवश्यक है। बैठक में वस्तु एवं सेवा कर (GST) की दरों में कमी, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान और स्थानीय उद्योगों को सशक्त बनाने जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने GST दरों में कमी लागू करने वाले सभी उद्यमियों का स्वागत एवं अभिनंदन भी किया। इस मौके पर उनके साथ वसई विरार नगर निगम के पदाधिकारी मनोज पाटिल, संघ के अध्यक्ष विवेक शाह, श्रीमती नीलम म्हात्रे, एडवोकेट धनंजय चव्हाण, भाजपा जिला सचिव नंदकुमार महाजन, वसई नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दारीवाला, महासचिव संतोष कक्कड़, चेतन वर्शिकर, सलाहकार राजेश गायकवाड, विलास चौधरी, मनमित राऊत सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी प्रतिनिधियों ने विधायक स्नेहा दुबे का धन्यवाद करते हुए आशा जताई कि औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं का समाधान शीघ्र ही देखने को मिलेगा।

नरेंद्र मेहता द्वारा भाईंदर पूर्व में कार्यालय का उद्घाटन

भाईंदर। भाईंदर पूर्व मंडल कार्यालय का उद्घाटन ! विधायक नरेंद्र मेहता ने किया और भाईंदर पूर्व मंडल कार्यालय के उद्घाटन समारोह में सभी कार्यकर्ता शामिल थे और यह कार्यालय निश्चित रूप से जनसेवा, कार्यकताओं की सशक्त भागीदारी और जनता तक अधिक प्रभावी पहुँच का एक महत्वपूर्ण केंद्र होगा। ऐसे प्रयासों को हमारे कार्यकताओं के अथक परिश्रम और जनता के विश्वास से ही बल मिलता है। इस नए कार्यालय से और अधिक सक्रियता और तत्परता से कार्य करने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दिलीप जैन, मंडल अध्यक्ष योगिता शर्मा के साथ-साथ भाजपा के माननीय नगर निगम/नगर निगम, जिला एवं मंडल पदाधिकारी एवं सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अश्विनी ताई भोसले और डॉ. महेश पेडणेकर को विभागप्रमुख पद की जिम्मेदारी

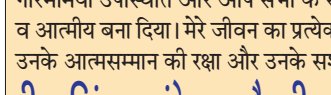

मुंबई। हिंदुहृदयसम्राट स्व. बाळासाहेब ठाकरे और स्व. धर्मवीर आनंद दिघे जी के आशीर्वाद से, महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेशानुसार और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में कुर्ला विधानसभा से अश्विनी ताई भोसले को महिला विभाग प्रमुख तथा माजी नगरसेवक डॉ. महेश पेडणेकर को कालिना विधानसभा विभागप्रमुख पद पर नियुक्त किया गया। इस अवसर पर शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर दोनों नव-नियुक्त पदाधिकारियों का भव्य सत्कार किया गया। यह कार्यक्रम कालिना, सांताक्रूज (पूर्व), मुंबई में संपन्न हुआ। इस खास मौके पर सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), समाजसेविका एवं गृहसंकुल इमारत प्रमुख श्रद्धा गोरगे, ज्योतिषाचार्य सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर नव-नियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

विधायक नरेंद्र मेहता का जन्मदिन सेवा-संकल्प के साथ मनाया गया

मीरा रोड। आज का दिन केवल जन्मोत्सव का नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण के संकल्प को पुनः दोहराने का दिन रहा। मीरा-भायंदर शहर भाजपा जिला कार्यालय में विधायक नरेंद्र मेहता जी को ईश्वर की कृपा से दिव्यांग भाई-बहनों को व्हीलचेयर प्रदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जब उन दिव्यांग साथियों के चेहरे पर मुस्कान और आंखों में आशा की चमक देखी, तो यह अनुभव हुआ कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य उनके लिए कुछ करने में ही निहित है। इस पुनीत अवसर पर सभी पदाधिकारीगण की गरिमामयी उपस्थिति और आप सभी के स्नेह ने इस क्षण को और भी विशेष व आत्मीय बना दिया। मेरे जीवन का प्रत्येक क्षण इन दिव्यांग साथियों की सेवा, उनके आत्मसम्मान की रक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए समर्पित है।

रीता सिंह फाउंडेशन और बीएमसी के संयुक्त तत्वावधान में महिला स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

दिंडोशी, मुंबई, महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए, आज दिंडोशी विधानसभा स्थित रिद्धि गार्डन में रीता सिंह फाउंडेशन और बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सहयोग से महिला कैंसर जांच एवं स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और कैंसर जांच, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, स्त्री रोग से संबंधित जांच, तथा परामर्श सेवाओं का लाभ उठाया। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस प्रेरणादायक विचार से प्रेरित था। कार्यक्रम में रीता सिंह, संस्थापक रीता सिंह फाउंडेशन, ने सभी समर्पित डॉक्टरों, चिकित्सा कर्मियों और बीएमसी की टीम का हृदय से आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा रीता सिंह फाउंडेशन सभी डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टाफ के प्रति कृतज्ञ है। हमारा प्रयास रहेगा कि भविष्य में भी इसी तरह समाज के लिए स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। आप सभी का सहयोग और आशीर्वाद हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इस प्रकार के शिविर न केवल महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य जांच की सुविधा देते हैं, बल्कि उनमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी उत्पन्न करते हैं। फाउंडेशन ने भविष्य में और भी क्षेत्रों में इस प्रकार के आयोजन करने का संकल्प लिया है।

मीरा रोड के सन स्पा सेंटर में बॉडी मसाज के नाम पर चल रहा था देहव्यापार का गोरख कारोबार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड पुलिस ने सन स्पा सेंटर के एक मालिक ओर 2 मैनेजर को अरेस्ट करके 5 पीड़ीत लड़कीयों को सन स्पा सेंटर से रेस्क्यू किया।

आज महाराष्ट्र के थाने जिले के एम बी वीवी पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत मीरा रोड डिवीजन के एसीपी गणपत पिंगले को गुप्त सूचना मिली थी की , मीरा रोड ईस्ट , मीरा रोड स्टेशन की हद में 15 नंबर बस स्टॉप हाड़केश, साईं धाम शॉपिंग सेंटर के फर्स्ट फ्लोर पर सन स्पा सेंटर में सन स्पा सेंटर का मालिक और मैनेजर ग्राहकों को लडकियों के फोटो भेजकर सन स्पा सेंटर में बॉडी मसाज के नाम पर वेश्या व्यवसाय का कारोबार चला रहे है । फिर मीरा रोड डिवीजन के एसीपी ऑफिस की टीम और काशी गांव पुलिस थाने की संयुक्त टीम ने मीरा रोड पुलिस थाने के अतर्गत 15 नंबर बस स्टॉप के पास साई धाम शॉपिंग

सेंटर के फर्स्ट फ्लोर पर सन स्पा सेंटर में बोगस ग्राहक और पंच को भेजकर ट्रैप लगाकर छापा मारा, पुलिस की टीम ने छापे में सन स्पा सेंटर के एक मालिक और 2 मैनेजर को हिरासत में लेकर सन स्पा सेंटर से 5 पीडीत लडकीयो को बॉडी मसाज के नाम पर चल रहे जिस्मफरोशी के दलदल से रेस्क्यू किया। सन स्पा सेंटर का मालिक और मैनेजर ग्राहकों को सन स्पा सेंटर में काम करने वाली लडकियों के फोटो भेजकर बॉडी मसाज के नाम पर जिस्मफरोशी का कारोबार चला रहे थे। सन स्पा सेंटर के मालिक का विरार वेस्ट में 7 स्पा सेंटर व मुंबई , पालघर में भी कई स्पा सेंटर है सन स्पा सेंटर के मालिक के उन सभी स्पा सेंटर में भी बॉडी मसाज के नाम पर जिस्मफरोशी कर कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। अब पुलिस की टीम सन स्पा सेंटर के एक मालिक 2 मैनेजर को गिरफ्तार करके उन तीनों गिरफ्तार आरोपियों के उपर बीएनएस की धारा 143 (3), 3(5) व पीटा एक्ट की धारा 3,4,5,7 के तहत कानूनी कारवाई और सन स्पा सेंटर से रेस्क्यू की गई 5 पीडीत लडकीयो को सुरक्षित रेस्क्यू फाउंडेशन कांदिवली सुधारगृह में भेजने की कानूनी प्रकिया कर रही है। इस तरह सन स्पा सेंटर में बॉडी मसाज के नाम पर चल रहे जिस्मफरोशी के कारोबार का भंडाफोड़ करके कानूनी कारवाई एम बी वीवी पुलिस आयुक्तालय के वरीष्ठ अधिकारियो और जोन 1 के डीसीपी राहुल चव्हाण आईपीएस, मीरा रोड डिवीजन के एसीपी गणपत पिंगले के मार्गदर्शन में काशीगांव पुलिस थाने के पीआई संतोष खांडेकर, मीरा रोड पुलिस थाने के पीआई जिलानी सय्यद एएसआई नितिन महाजन, एचसी केशव शिंदे,सागर कदम, महिला पुलिस सारिका गभाले, सोनाली झाडे, नीलम पोटे, मीरा रोड डिवीजन एसीपी ऑफिस की टीम और काशीगांव पुलिस थाने की टीम ने सयुंक्त रूप से सफलतापूर्वक करवाई किया।

गोरख सिंह कॉलेज में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सफाई कार्यक्रम अभियान आयोजित

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडलीय शहर स्थित गोरख सिंह कॉलेज में शुक्रवार को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज परिवार के सभी शिक्षक, गैर-शैक्षिक कर्मचारी और प्रशिक्षुओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के निदेशक प्रो. अभय कुमार सिंह ने की। उन्होंने झाड़ू लगाकर अभियान की शुरूआत की और उपस्थित लोगों से शपथ दिलाते हुए कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सामाजिक दायित्व भी है। उन्होंने सभी से अपील की कि घर के साथ-साथ आसपास का क्षेत्र भी स्वच्छ रखा जाए, क्योंकि स्वच्छ वातावरण में ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। कॉलेज की शैक्षिक निदेशिका श्रीमती वीणा सिंह और प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार सिंह भी इस अवसर पर मौजूद रहे। स्वच्छता की शपथ लेने वाले प्रतिभागियों में प्राध्यापक डॉ. अर्चना मिश्रा, डॉ. सोनू कुमार यादव, डॉ. मंजीत कुमार, श्री सत्य प्रकाश, श्री मनोज कुमार, श्री राहुल कुमार सिंह और श्रीमती कृष्णा सिंह सहित अनेक शिक्षक और विद्यार्थी शामिल थे।

भारत में जन्म लेना सौभाग्य की बात है : मानस मुक्ता यशुमति

-लाल शेखर सिंह

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। आर्थिक कारणों से विदेशों में भी बसे भारतीयों को आत्मीय रूप से भारत से जुड़े रहना चाहिए। क्योंकि भारत में जन्म लेना सौभाग्य की बात है यहाँ मनुष्य जन्म दुर्लभ होता है। यह सुश्रुत का भारत है जिसने संसार को शल्यचिकित्सा का ज्ञान दिया। रामकथा व्यक्ति, पारिवार, सामाज और राष्ट्र का मंगल करती है। जनकपुर में धनुषयज्ञ का आयोजन परोक्ष रूप से सभी आतंकवादियों के लिए संदेश था कि, आतंक के विनाश के लिए पुरुषोत्तम का अवतार हो गया है। बेटा केवल माता-पिता,परिवार का होता है,किन्तु बेटियाँ पूरे गाँव- समाज की होती हैं क्योंकि बेटियों के प्रति सभी ममत्व का भाव रखते हैं। अन्याय को देखकर मौन रहना भी बड़ा पाप होता है। हर परिस्थिति में समरस भाव से दूसरों को सुख प्रदान करना ही रामत्व है।धनुषयज्ञ के दिन धनुष सबसे भारी वजनीय धरती मइया ने पकड़ कर कर रखा था क्योंकि बेटी भूमिजा का विवाह धरती मैया किसी ऐरे गैरे से नही योग्य वर से चाहती थी।हमारे यहाँ तीन राम हुए परशुराम, दसरथ नंदन राम और बलराम, किन्तु धनुष भंग मध्य वाले राम द्वारा ही सम्पन्न हुआ इसलिए तुलसीदास ने लिखा ₹तेहिं क्षण राम मध्य धनु तोराऽ..।धनुषयज्ञ में पराजय से क्रोधित सभी राजाओं के संग्राम से मिथिला भूमि को बचाने के लिए जनक दरबार में भगवान परशुराम पहुँच कर क्रोध लीला से सभी को भयग्रस्त कर दिये, जिसके कारण सभी राजाओं के संग्राम की धारणा धरी की धरी रह गयी।बारात,दूल्हे और दुल्हन को देखने की सबसे बड़ा कौतुहल स्त्रियों में ही होता है साथ ही साथ महिलाओं के द्वारा ही नुक्ता-चीनी भी अधिक की जाती है।रामचरित मानस दृश्यकाव्य है जिसे प्रभु राम ने तुलसीदास को सभी लीलाओं के दर्शन

कराये हैं यही कारण है कि जो प्रसंग मानस में मिलता है वह किसी ग्रंथ में नही मिलता है।विवाह में बेटी के विदाई के समय कण-कण से करुणा फूटती है।किन्तु बेटी से पिता के मिलते ही करुणा की पराकाष्टा दिखाई देती है।सनातन मान्यता के अनुसार कन्यादान देने वाले से बड़ा दानी और दान लेकर उसका निर्वहन करने वाले से बड़ा योग्य याचक नही होता।विवाह में दहेज न लेना पाप है न देना पाप है तो दहेज मांगना।दहेज मांगना कुसंस्कार है।

उक्त सभी बातें मानस के भाव प्रसंगों को प्रकाशित करते हुए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रामकथा वाचिका मानस मुक्ता यशुमति जी ने श्रोताओं के समक्ष कही।

मानस मुक्ता ने सीताराम विवाह के पारंपरिक मंगल महोत्सव भाव में श्रोताओं को उपस्थित करते हुए चतुर्थ सत्र की कथा को विराम दिया।

प्रकार प्रयागराज नारायण आश्रम से आयीं संत गोपी और संत लक्ष्मी के पावन सान्निध्य में श्रोताओं के साथ सुप्रसिद्ध समाजसेवी सद्गुरु फाउंडेशन ट्रस्ट के चेयरमेन गणेश अग्रवाल,ममता गणेश अग्रवाल,राजेश पोद्दार,अंशुल वर्मा, भारती बेन,हरिओम मंडल की मंजू शुक्ला, भूमिका वर्मा, अनुसूया, कैलाश शर्मा,राजेश सिंह,विजय सिंह, सचिन, सौम्या सिंह, भजन गायिका सरला मीरचंदान एवं हम रामजी के रामजी हमारे हैं सेवा ट्रस्ट मुम्बई के सहसचिव दिनेशप्रताप सिंह ने भी कथा श्रवण लाभ प्राप्त किया।

गोमती नदी में कूदे नमन का शव कई घंटों बाद केराकत में मिला

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के सुक्खीपुर निवासी 22 वर्षीय नमन सोनकर के गोमती नदी में कूद जाने से सनसनी फैल गई थी। कई घंटों की तलाश के बाद आखिरकार उसका शव केराकत क्षेत्र में बरामद किया गया। सूत्रों के अनुसार, नमन बीते कई दिनों से घरवालों से नाराज चल रहा था। घटना की रात उसने परिजनों को फोन कर मौके पर बुलाया, लेकिन उनके पहुँचने से पहले ही उसने नदी में छलांग लगा दी। परिजनों के शोर मचाने पर तत्काल पुलिस और गोताखोरों की टीम ने नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। लगातार घंटों की तलाशी के बाद शुक्रवार सुबह युवक का शव केराकत इलाके में मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरित महाराष्ट्र, समृद्ध महाराष्ट्र अभियान के तहत वसई-विरार में बाँस के 1 लाख पौधों का वितरण

वसई-विरार। वसई विरार महानगरपालिका और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ₹हरित महाराष्ट्र, समृद्ध महाराष्ट्र₹ अभियान के अंतर्गत आज एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 1 लाख बाँस के पौधों का वितरण किया गया। इस अभियान का शुभारंभ राज्य के पालक मंत्री श्री गणेश नाईक की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्य स्तरीय आदिवासी क्षेत्र समीक्षा समिति के अध्यक्ष विवेक पंडित, नालासोपारा के विधायक श्री राजन नाईक, विधायक विलास तारे, सामाजिक वानिकी विभाग की मुख्य वन संरक्षक श्रीमती के. प्रदीप, वसई-विरार शहर महानगरपालिका के आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंतर्गत यह जानकारी दी गई कि वन विभाग द्वारा आदिवासी समुदायों को वन क्षेत्र आवंटित किए गए हैं। हालांकि, इन क्षेत्रों की उपयोगिता और महत्व की जानकारी अभी तक कई लोगों को नहीं थी। इस नई पहल के तहत स्थानीय लोगों के सहयोग से इन क्षेत्रों में बाँस के पौधों का रोपण किया जाएगा। पालक मंत्री गणेश नाईक ने कहा कि, बाँस एक अत्यंत उपयोगी और बहुउद्देशीय वृक्ष है, जो न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि यह आर्थिक दृष्टिकोण से भी ग्रामीण और आदिवासी समुदायों को सशक्त बना सकता है। बाँस सबसे तेजी से बढ़ने वाले पौधों में से एक है और एक बार लगाने के बाद उसे बार-बार रोपने की आवश्यकता नहीं होती। वन विभाग का यह प्रयास न केवल हरित क्षेत्र बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि वनों के संरक्षण और आदिवासी समाज के विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

वसई विरार निगम मुख्यालय में वसई विकास हेतु ठोस कदम: स्नेहा दुबे

वसई रोड। वसई विरार नगर निगम मुख्यालय, विरार पश्चिम में वसई के सर्वांगीण विकास हेतु ठोस कदम आज वसई विरार नगर निगम मुख्यालय में एमएमआरडीए को प्रस्तावित महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित सड़कों के कंक्रीटीकरण पर चर्चा हुई:,बाफने फाटा से उमेला फाटा,वसई फाटा से वसई गाँव, सातीवली फाटा से रेंज ऑफिस कार्यालय,तिवारी फाटा से वामन ढाबा ,इन कार्यों में आने वाली बाधाओं को दूर करने और कार्यों को तीव्र गति से पूरा करने के लिए सकारात्मक चर्चा हुई और प्रस्ताव को अंतिम रूप देकर आगामी सप्ताह में एमएमआरडीए को भेजने हेतु एक कार्ययोजना तैयार की गई।

,गोखीवाड़ा रेंज ऑफिस स्थित फ्लाईओवर, एवरशाइन से वसंत नगरी फ्लाईओवर और मानिकपुर चेकपॉइंट स्थित फ्लाईओवर के डिजाइन और अलाइनमेंट पर भी चर्चा हुई। इन तीनों फ्लाईओवर के प्रस्ताव भी एक सप्ताह के भीतर तैयार कर लिए जाएँगे।इसके अलावा, चार आरओबी रेलवे ओवरब्रिज के कार्यों पर भी चर्चा हुई, जिसमें वसई विधानसभा क्षेत्र के उमेलमान-नायगांव स्थित आरो ब्रिज भी शामिल है। इन सभी कार्यों को एक साथ भेजकर सरकार को प्रस्तुत करने की योजना बनाई गई है। इस बैठक से वसई शहर में बुनियादी ढाँचे के विकास को नई गति मिलेगी और नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। इस समय, वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ एमएमआरडीए के मुख्य अभियंता प्रकाश भामरे, एमएमआरडीए के कार्यकारी अभियंता शेवाले, वसई विरार शहर नगर निगम के नगर अभियंता प्रदीप पाचंगे, लोक निर्माण विभाग के संजय यादव, कुलकर्णी इस बैठक में उपस्थित थे।

त्योहारी उत्साह की शुरूआत जल्दी : ग्रैंड शॉप्सी मेला 2025 ने छोटे शहरों में खरीदारी की लहर बढ़ाई

बेंगलुरु। जैसे ही देश भर के परिवार त्योहारी सीजन की तैयारी कर रहे हैं, शॉप्सी बाय फ्लिपकार्ट ने अपने ग्रैंड शॉप्सी मेला के साथ उत्सव का माहौल बनाया, और ₹?योहारी खरीदारी में जबरदस्त उछाल देखा गया। 70% से अधिक ऐप इंस्टॉल और ऑर्डर्स टियर 3 और 4+ शहरों से आए, जिसने भारत में किफायती और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की बढ़ती मांग को दर्शाया। विशेष रूप से मिलेनियल्स और जेन जी ने घरेलू सामान, मेंस फैशन और फुटवेयर की मांग को बढ़ाया। शॉप्सी ने बिक्री अवधि के दौरान 44% की बढ़ोतरी दोबारा खरीदने वाले ग्राहकों में दर्ज की। त्योहारी सीजन के नजदीक आते ही, ग्रैंड शॉप्सी मेला ने परिवारों को त्योहारों की तैयारी के लिए जरूरी हर चीज खरीदने में मदद की। मजबूत बिक्री ने दिखाया कि किफायती कीमतों पर खरीदारी करने वाले लोगों ने 1,300 से ज्यादा श्रेणियों में 1 करोड़ से अधिक उत्पादों को 149 रुपये से कम कीमत पर चुना। दुर्गा पूजा के लिए कुर्ते से लेकर दिवाली की सजावट तक, शॉप्सी ने हर भारतीय परिवार की जरूरतों के लिए खास त्योहारी संग्रह तैयार किए और आसान खरीदारी अनुभव दिया।

इससे शॉप्सी ने भारत में किफायती खरीदारी के लिए पसंदीदा मंच के रूप में अपनी जगह और मजबूत की। कपिल थिरानी, वाइस प्रेसिडेंट, शॉप्सी और फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट, ने कहा, ग्रैंड शॉप्सी मेला के साथ, हमारा लक्ष्य ग्राहकों और विक्रेताओं को त्योहारी सीजन तक जल्दी पहुंच प्रदान करना था। इस साल की प्रतिक्रिया ने शॉप्सी के लिए एक नया मानक स्थापित किया है, जो पैसे की कीमत, क्वॉलिटी सेलेक्शन और स्थानीय विक्रेताओं के लिए डिजिटल पहुंच बढ़ाने पर हमारे निरंतर ध्यान को दर्शाता है। हमें मुख्य श्रेणियों में दहाई अंकों की वृद्धि और पहले कम सेवा वाले शहरों में रिकॉर्ड पहुंच से खुशी है।

शॉप्सी ई-कॉमर्स को सबके लिए सुलभ बनाने, पहुंच को बढ़ाने, स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाने और हर भारतीय परिवार को असाधारण मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बिक्री में घरेलू आवश्यक वस्तुओं की मांग में 108% की वृद्धि देखी गई, जबकि पुरुषों के कैजुअल कपड़े और फुटवेयर में 95% की वृद्धि हुई। महिलाओं के कुर्ता और पैंट सेट, ईयरबड्स, और पुरुषों की एनालॉग घड़ियां शीर्ष बिक्री वाले उत्पादों के रूप में उभरे, जो त्योहारी सीजन की तैयारी में किफायती और स्टाइल को लेकर सजग खरीदारों के बीच शॉप्सी की मजबूत अपील को दर्शाते हैं।

इस बार के ग्रैंड शॉप्सी मेला की वृद्धि को युवा खरीदारों की नई लहर ने बढ़ावा दिया, जिसमें मिलेनियल्स (48%) और जेन जी (32%) ने मिलकर ग्राहक आधार का 80% से अधिक हिस्सा बनाया, जो भारत के डिजिटल-प्रथम खरीदारों के साथ मंच के मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है। जेन जी ने मुख्य रूप से पर्सनल ग्रूमिंग, फैशन, और परिधान पर ध्यान दिया, जबकि मिलेनियल्स ने घरेलू आवश्यक वस्तुओं और फैशन को प्राथमिकता दी, जिसने कुल बिक्री का 60% योगदान दिया। महिला खरीदारों ने भारत की खरीदारी पसंद को आकार देने में अपनी बढ़ती भूमिका पर जोर दिया, कुल ऑर्डर के 57% के साथ अग्रणी रही।

विक्रेताओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध, शॉप्सी ने भारत भर से नए स्थानीय विक्रेताओं को सफलतापूर्वक शामिल किया और विक्रेताओं को त्योहारी सीजन की तैयारी के लिए शिक्षित करना जारी रखा, ताकि वे मांग की उच्च लहर का पूरा लाभ उठा सकें।

इस मान्यता की भावना को और बढ़ाते हुए, शॉप्सी ने एक सेलर रिवॉर्ड्स प्रोग्राम शुरू किया, जो सभी शॉप्सी श्रेणियों में सबसे अधिक ऑर्डर हासिल करने वाले शीर्ष विक्रेताओं को पुरस्कृत करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे विक्रेताओं के त्योहारी सीजन को सफल बनाने के जबरदस्त प्रयासों को सराहा गया।

ग्रैंड शॉप्सी मेला के दौरान 70% से अधिक ऑर्डर उन शहरों से आए, जो पहले कम सेवा वाले थे, क्योंकि शॉप्सी ने अंबाजोगाई (महाराष्ट्र), श्यामपुर (पश्चिम बंगाल), गौचर (उत्तराखंड), फेकामारी (असम), बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) जैसे नए क्षेत्रों में अपनी पहुंच बढ़ाई। बैंगलोर, कोलकाता, नई दिल्ली, और हैदराबाद जैसे मेट्रो शहरों में भी जुड़ाव में उछाल देखा गया, साथ ही टियर 2 में 56.3% और टियर 3 और 4 में 50.9% की उल्लेखनीय वृद्धि ने शॉप्सी की भारत में ०?यापक पहुंच को उजागर किया। पूरे त्योहारी सीजन के दौरान, शॉप्सी विभिन्न श्रेणियों में किफायती और सोच-समझकर चुने गए उत्पादों की पेशकश करके अपने ग्राहकों को खुश करना जारी रखेगा।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नई CB350C स्पेशल एडिशन लॉन्च की।

मुंबई/गुरुग्राम। प्रीमियम 350 मोटरसाइकिल सेगमेंट में अपनी पकड़ और मजबूत करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज ऑल-न्यू CB350C स्पेशल एडिशन लॉन्च किया। इस रेट्रो-क्लासिक बाइक की बुकिंग अब शुरू हो गई है और यह अक्टूबर 2025 के पहले हफ्ते से पूरे देश में सभी होंडा बिगविंग डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगी। नई होंडा CB350C स्पेशल एडिशन की कीमत 2,01,900 (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु, कर्नाटक) रखी गई है। नई CB350C स्पेशल एडिशन पेश करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और उपद, त्सुत्सुमु ओतानी ने कहाः CB लेगेसी हमेशा से टाइमलेस डिजाइन, रिफाइंड परफॉर्मेंस और राइडर्स के साथ गहरा इमोशनल कनेक्ट का प्रतीक रही है। नई CB350C स्पेशल एडिशन के लॉन्च के साथ हम न सिर्फ अपने मिड-साइज मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो को और मजबूत कर रहे हैं, बल्कि आज के क्लासिक कस्टमर्स के लिए एक नई पहचान भी बना रहे हैं। हमें पूरा भरोसा है कि यह नया अवतार हमारे कस्टमर्स के लिए प्राइड ऑफ ओनरशिप को और बढ़ाएगा। इस घोषणा पर बात करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर, सेल्स एंड मार्केटिंग, योगेश माथुर ने कहाः हम बेहद उत्साहित हैं कि हम ऑल-न्यू CB350C स्पेशल एडिशन उन राइडर्स के लिए पेश कर रहे हैं, जो Bold Move करते हैं और परंपरा व आधुनिकता का परफेक्ट ब्लेंड तलाशते हैं। यह मोटरसाइकिल हमारी प्रीमियम मोटरसाइकिल स्ट्रैटेजी में एक अहम पड़ाव है। इसे खास तौर पर उन राइडर्स की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जो एक्सक्लूसिविटी, स्टाइल और होंडा की बेमिसाल रिलायबिलिटी को महत्व देते हैं।

निजीकरण पर बिजली कर्मियों का उबाल, अनिश्चितकालीन कार्यबहिष्कार और जेल भरो की चेतावनी

-सुरेश गांधी

वाराणसी. उत्तर प्रदेश में बिजली वितरण निगमों के निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मियों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उ.प्र. के बैनर तले शुक्रवार को बनारस के बिजलीकर्मियों ने लगातार 303वें दिन भी जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संघर्ष समिति ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का टेंडर जारी किया गया तो प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और सामूहिक जेल भरो आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा।

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन द्वारा तैयार निजीकरण के आर.एफ.पी. (त्मुनमेज वित त्तवचवेंस) दस्तावेज को किसी भी हाल में मंजूरी न दी जाए। ई0 मायाशंकर तिवारी ने बताया कि इस दस्तावेज पर निर्णय लेने से पहले विद्युत नियामक आयोग को संघर्ष समिति से वार्ता करनी चाहिए। इस संबंध में आयोग के चेयरमैन को पत्र भेजकर समय मांगा गया है। संघर्ष समिति ने दोहराया कि बिजली आपूर्ति जनता का मूल अधिकार है, इसे निजी हाथों में सौंपना जनहित और कर्मचारियोंकृदोनों के खिलाफ है। जब तक वार्ता कर उनकी बात नहीं सुनी जाती, आंदोलन जारी रहेगा।

कर्मचारियों का भविष्य अंधकारमय

समिति के सदस्य कृष्णा सिंह ने कहा कि निजीकरण से बिजली कर्मचारियों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। ई0 एस0के0 सिंह ने चेताया कि निजीकरण के बाद करीब 50 हजार संविदा कर्मियों की छंटनी और 16,500 नियमित कर्मचारियों की नौकरियां खतरे में पड़ जाएंगी। कॉमन कैडर के अभियंता और जूनियर इंजीनियर भी पदावनति व छंटनी की मार झेलेंगे।

निजी घरानों को फायदा पहुँचाने का आरोप

संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया कुछ चुनिंदा निजी घरानों को फायदा पहुँचाने के लिए रची गई है। ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन पर खुलेआम सरकार और निजी घरानों के बीच बिचौलिये की भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया।

एलर्ट जारी, प्रदेशभर में तैयारी : अंकुर पांडेय

अंकुर पांडेय ने बताया कि निजीकरण की गतिविधियां तेज होने की आहट पर पूरे प्रदेश के बिजली कर्मियों को एलर्ट जारी किया गया है। समिति ने सभी संविदा कर्मियों, अभियंताओं और जूनियर इंजीनियरों से कहा है कि टेंडर होते ही अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और सामूहिक जेल भरो आंदोलन के लिए तैयार रहें। विरोध सभा को संबोधित करने वालों में ई0 मायाशंकर तिवारी, ई0 एस0के0 सिंह, कृष्णा सिंह, अंकुर पांडेय, अरुण कुमार, रमेश सिंह, दिनेश कुमार, धर्मेन्द्र यादव, सरोज भूषण, धनपाल सिंह, रंजीत कुमार, राजेश पटेल, विशाल कुमार, पी0एन0 चक्रधारी, सतीश चंद्र पांडेय, अरविंद कौशनंदन, अनुराग मौर्य और ब्रिज सोनकर समेत कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे।

एकेडमिक रिसोर्स पर्सन पदों की चयन प्रक्रिया संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत जनपद जौनपुर में एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (ए0आर0पी0) पदों पर चयन प्रक्रिया आज डायट सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई। रिक्त 57 पदों के सापेक्ष 45 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया गया था, जिनमें से 42 शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया जबकि 03 शिक्षक अनुपस्थित रहे।

जिला समन्वयक प्रशिक्षण विशाल कुमार ने बताया कि जनपद के 21 ब्लॉक एवं 01 नगर क्षेत्र के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों के विशेषज्ञ ए0आर0पी0 का चयन जनपद स्तर पर किया जाता है। जनपद में कुल 110 ए0आर0पी0 पद सृजित हैं, जिनमें से प्रथम चरण में 53 का चयन पूर्ण कर लिया गया है। शेष 57 पदों हेतु विज्ञापन प्रकाशित कर चयन प्रक्रिया प्रारम्भ की गई। उन्होंने बताया कि कुल 74 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 56 शिक्षकों ने 22 सितम्बर 2025 को हुई लिखित परीक्षा में भाग लिया, जिसमें 47 शिक्षक सफल घोषित हुए। तत्पश्चात 24 सितम्बर को माइक्रोटीचिंग परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 45 शिक्षक सम्मिलित हुए। अंतिम चरण में आज 26 सितम्बर को साक्षात्कार सम्पन्न हुआ। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने बताया कि चयन प्रक्रिया उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य डायट के नेतृत्व में तथा मुख्य विकास अधिकारी, जौनपुर के निर्देशन में सम्पन्न कराई गई। चयनित ए0आर0पी0 को शीघ्र ही ब्लॉकों में तैनात कर दिया जाएगा, जिससे विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। साक्षात्कार प्रक्रिया जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला की देख-रेख में सम्पन्न हुई।

पैरागॉन ने दिवाली पर पेश किया नया टीवीसी परिवार, परंपराओं और साथ बिताए पलों का जश्न

मुंबई। भारत के सबसे भरोसेमंद फुटवियर ब्रांड पैरागॉन ने इस दिवाली अपना नया कैंपेन लॉन्च किया है, जो त्योहारों की असली खुशी को परिवार और परंपराओं से जोड़कर पेश करता है। टीवीसी यह संदेश देता है कि दिवाली सिर्फ. रोशनी और मिठाइयों का त्योहार नहीं है, बल्कि हंसी-ठहाकों, रिश्तों की गर्माहट और उन सहज पलों का उत्सव है जो अपनों के साथ बिताए जाते हैं।

त्योहारों के इस मौसम में पैरागॉन फुटवियर ने एक भावनात्मक और दिल छू लेने वाली फिल्म के जरिए यह दिखाया है कि घर के अंदर की रौनक का अंदाजा दरवाजे पर रखी फुटवियर की कतार से भी लगाया जा सकता है। यह फिल्म टर्मरिक इंटीग्रेटेड मार्केटिंग सॉल्यूशंस ने तैयार की है। इसमें छोटे-छोटे लम्हों, सादगी भरी खुशियों और परिवार की गर्माहट को बखूबी कैद किया गया है। फिल्म दो सरल लेकिन गहरी सच्चाइयों पर आधारित है—दरवाजे पर रखे जूतों की संख्या यह बताती है कि घर में कितने प्रियजन आए हैं और हर व्यक्ति अपने अनोखेपन और मस्ती से त्योहार को और भी यादगार बना देता है। पैरागॉन फुटवियर के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट मार्केटिंग एवं आईटी, सचिन जोसेफ ने कहा, दिवाली जैसे त्योहार सिर्फ.बड़े आयोजनों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे, अनगढ़ लेकिन अविस्मरणीय पलों से खास बनते हैं। घर के बाहर जमा हुए फुटवियर का नजारा इस बात का सबसे सुंदर प्रतीक है कि लोग खुशियाँ साझा करने के लिए साथ आए हैं। पैरागॉन इस भावना का हिस्सा बनकर गर्व महसूस करता है। टर्मरिक के संस्थापक एवं सीईओ राहुल गुहा ने कहा, इस फिल्म की खूबसूरती इसकी सादगी में है। हमारा मकसद सिर्फ.रोशनी या भव्यता दिखाना नहीं था, बल्कि दोस्तों और परिवार के साथ दिवाली मनाने की उस आत्मीयता को दिखाना था। फुटवियर हमारे लिए वह प्रतीक बना जिससे हर भारतीय तुरंत जुड़ सके और इस खुशी को महसूस कर सके। यह कैंपेन टीवी और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित होगा। महाराष्ट्र के दर्शकों के लिए इसका एक विशेष मराठी संस्करण भी तैयार किया गया है। यह क्षेत्रीय जुड़ाव पैरागॉन की उस छवि को और मजबूत करता है कि ब्रांड हर मौसम और हर जश्न में परिवार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलता है। इस नए कैंपेन के साथ पैरागॉन यह संदेश दोहराता है कि वह सिर्फ. फुटवियर नहीं, बल्कि भारत की रोजमर्रा की कहानियों, परंपराओं और खुशियों का साथी है।

स्ट्रीक्स शाइन हेयर सीरम की ब्रांड एम्बेसेडर बनीं सारा अली खान

मुंबई। हाइजेनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख ब्रांड स्ट्रीक्स ने बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री सारा अली खान को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। इसके साथ ही ब्रांड ने अपना नया टीवीसी कैंपेन फ्रिज गॉन, स्मूथ शाइन ऑन लॉन्च किया है, जिसमें सारा अपनी चुलबुली और आत्मविश्वासी पर्सनैलिटी के साथ दिखाती हैं कि कैसे स्ट्रीक्स शाइन हेयर सीरम कुछ ही सेकंड्स में बालों को स्मूद, चमकदार और फ्रिज-फ्री बना देता है। अपनी जिंदादिल पर्सनालिटी, यूथफुल चार्म और सहज स्टाइल के साथ, सारा अली खान स्ट्रीक्स के उस विश्वास को बखूबी दर्शाती हैं कि हर महिला शाइन ऑन कर सकती है – यानी आत्मविश्वास के साथ चमक सकती है। उनका नैचुरल एलीगेंस और रिलेटेबल अंदाज उन्हें स्ट्रीक्स शाइन हेयर सीरम का परफेक्ट फेस बनाते हैं। यह ब्रांड बालों को खूबसूरत बनाने की क्षमता के लिए मशहूर है।

इस साझेदारी को सेलिब्रेट करने के लिए स्ट्रीक्स ने नया टीवीसी कैंपेन ह्यफ्रिज गॉन, स्मूद ऑन लॉन्च किया है, जिसमें सारा मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रोजाना के पलों—जैसे कि हवा भरी छतों या व्यस्त सफर—जहां बाल अचानक उलझ (फ्रिज) सकते हैं, के जरिये दिखाया गया है कि कैसे बालों में बस जरा सा स्ट्रीक्स शाइन हेयर सीरम लगाते ही महज सेकंड में बाल स्मूद, ग्लॉसी और कैमरा-रेडी बन जाते हैं। कैंपेन के जरिये यह बताया गया है कि यह महिलाओं के लिए बालों को खूबसूरत और चमकदार बनाए रखने का एक भरोसेमंद समाधान है, ताकि वे हर समय आत्मविश्वास के साथ शाइन ऑन कर सकें। प्रियंका पुरी, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट -मार्केटिंग, एचआरआईपीएल ने कहा, ह्यसारा अली खान स्ट्रीक्स मूवमेंट के लिए बिल्कुल सही चेहरा हैं। हेयरकेयर अब सिर्फ प्रोडक्ट्स तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास और रोजमर्रा के स्टाइल का हिस्सा बन गया है। टीवीसी फ्रिज गॉन, स्मूद ऑन दिखाता है कि फ्रिज किसी के भी बालों में कहीं भी आ सकता है, लेकिन स्ट्रीक्स शादन हेयर सीरम इसका आसान और तेज समाधान है। महज कुछ सेकंड्स में यह फ्रिज दूर कर बालों को स्मूद, चमकदार और कैमरा-रेडी बना देता है। सारा के साथ यह कहानी और भी दिलचस्प हो हो गई है। हम देशभर की महिलाओं को हर दिन आत्मविश्वास और स्टाइल के साथ शाइन ऑन करने के लिए प्रेरित करने के लिए तैयार हैं।

सुलभ औषधियों से किया कैंप में इलाज

उदयपुरवाटी। आयुष्मान आरोग्य मंदिर ढहरियान बावड़ी में चुंगी नंबर 3 पर स्थित आयुर्वेद हॉस्पिटल में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में आयोजित होने वाले शिविरों के तहत गुरुवार को चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ राजेंद्र कुमावत ने वातव्याधि का कैंप लगाया व कैंप में आयुर्वेद की सुलभ औषधीयाँ देकर इलाज किया। उन्होंने कहा बात व्याधि आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण अवधारणा है,जिसमें बात दोष के असंतुलन से उत्पन्न होने वाली विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं शामिल है ।जीवन शैली के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ कुमावत ने कहा कि शरीर में वात कुपित न इसके लिए गर्म,पौष्टिक आहार और आसानी से पचने वाले भोजन का सेवन करना चाहिए ।साथ ही भोजन में तेल और घी का प्रयोग अधिक करे,पाचन सुधारने के लिए मसालों का उपयोग सही मात्रा में करे,योग प्राणायाम और हल्का व्यायाम नित्य करे, संभव हो तो रात को हल्दी मिला दूध (गोल्डमिल्क) या दालचीनी का ओटाया हुआ दूध रात को लेवे। आयोजित हुए इस कैंप में यहां के वाशिंदों सहित दूर दराज से भी कई लोग आए और उन्होंने विभिन्न प्रकार की बीमारियों से निजात पाने हेतु आयुर्वेद का इलाज लिया। महिला और बच्चे भी इस कैंप में उपस्थित हुए जिनकी आयुर्वेदिक लाक्षणिक चिकित्सा करते हुए दवाई उपलब्ध कराई । बीपी, मधुमेह, गठिया, अर्थराइटिस, सायटिका, प्रत्युर्जता, रक्ताल्पता आदि रोगों का इलाज इस दौरान किया गया। साथ ही वृद्ध जनों में होने वाले कष्टदायी श्वास कास रोग की भी आयुर्वेद की निरापद दवा दी गई ।इसके अतिरिक्त महिलाओं में होने वाले रक्त अल्पता एवं सीजनल एलर्जी का इलाज भी किया गया ।मोटापा बीपी मधुमेह एवं कैंसर जैसे भयानक बीमारी से बचने के लिए जीवन शैली को अपना कर आयुर्वेद में बताए संतुलित आहार लेने की आवश्यकता जताई। इस कैंप में कालूराम सैनी सेवानिवृत अध्यापक जगदीश कुमावत,जुगल किशोर निम्मीवाल,सागरमल घोड़ेला, फूलचंद लोहनीवाल, नवरत्न सिंह परमार, प्रहलाद राय सैनी, महेश, सुरज्ञान सैनी, राजकुमार चेजारा, मोहिनी देवी कुमावत, शांति देवी, रामावतार कुमावत, पोखर मल, किशन चेजारा, मुकेश कुमावत, सरवणी देवी, भागीरथ मल, बाबूलाल सैनी, जगदीश प्रसाद सैनी, मामराज मेघवाल, भागोती, भोलाराम, गोमती देवी सहित तीन दर्जन मरीज उपस्थित होकर कैंप से अपना इलाज करवाया।

महराजगंज में चोरी के भय से रतजगा, गांव-गांव में पहरा

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में लगातार चोरी की आशंका से ग्रामीण रातभर जागकर पहरा दे रहे हैं। गद्दोपुर, बसहराकला, कोबा, कोबी, चरियाही, सरायपड़री, बाहरपुर, बहोरिकपुर, मनिकापुर, बरहूपुर और बैहारी गांवों के लोग समूह बनाकर रतजगा कर रहे हैं। पिछले हफ्ते आरबीएस आईटीआई गद्दोपुर के पास ग्रामीणों ने एक चोर को पकड़कर पुलिस के हवाले किया था। वहीं गद्दोपुर तिवारी बस्ती में चार दिन पहले धान के खेतों से तीन चोरों के भागने से अफरा-तफरी मच गई थी ।एकहुआ गांव में चोर समझकर ग्रामीणो ने एक मंदबुद्धि अधेड़ महिला की पिटाई कर दी ऐसे ही हरखपुर शिवनगर कोबा गांव में हर शाम 10बजते बजते अफरातफरी का माहौल और हो हल्ला शुरू हो जाता है इसी तरह बरहूपुर गांव में तो आए दिन रात होते ही शोर-शराबा शुरू हो जाता है।

शिक्षा जगत में पहचान बना रहे हैं अविनाश मिश्रा, लाखों युवाओं के बने प्रेरणा स्रोत

कल्याण (उत्तरशक्ति)। Avinash Institite के संस्थापक अविनाश मिश्रा सर डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम स्थापित कर रहे अविनाश मिश्रा सर आज सोशल मीडिया पर एक बड़े नाम के रूप में उभर चुके हैं। अपनी सटीक और सरल शिक्षण शैली के चलते उन्होंने यूट्यूब चैनल Avinash Institite of Education पर 1.4 लाख से अधिक सब्सक्राइबर और इंस्टाग्राम चैनल avinash-mishrasir पर 40 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स का मजबूत परिवार बनाया है।

12 साल का अनुभव और विशिष्ट पहचानः अविनाश मिश्रा सर को शिक्षा के क्षेत्र में 12 वर्षों का लंबा अनुभव है। वे विशेष रूप से जनरल स्टडीज और भूगोल विषय के विशेषज्ञ माने जाते हैं। उनकी गहरी समझ और प्रभावशाली शिक्षण शैली ने हजारों विद्यार्थियों को सफलता की दिशा में प्रेरित किया है।

UPSC Foundation Batch– निःशुल्क पहलः युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से अविनाश मिश्रा सर ने हाल ही में UPSC Foundation Batch की शुरूआत की है। विशेष बात यह है कि UPSC की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह बैच पूरी तरह से निःशुल्क है, जिससे हजारों-लाखों विद्यार्थियों को लाभ मिल रहा है।

शिक्षा और प्रेरणा का संगमः उनके कंटेंट में करंट अफेयर्स, परीक्षा की तैयारी, शिक्षा संबंधी मार्गदर्शन और मोटिवेशनल संदेश शामिल रहते हैं। यही कारण है कि उनकी वीडियो लाखों व्यूज बटोरती हैं और देशभर के छात्र उनसे लगातार जुड़ रहे हैं। समाज के लिए सकारात्मक योगदानः डिजिटल युग में जहां अधिकतर कंटेंट क्रिएटर्स मनोरंजन को प्राथमिकता देते हैं, वहीं अविनाश मिश्रा सर का उद्देश्य है कि आने वाले समय में युवाओं को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान कर सकें। उनका कहना है कि सच्ची शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की नींव होती है। छात्रों का कहना है कि उनकी कक्षाएं न केवल पढ़ाई को सरल बनाती हैं, बल्कि आत्मविश्वास और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देती हैं। यही वजह है कि आज अविनाश मिश्रा सर को एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, एजुकेटर और लाखों युवाओं के प्रेरणा स्रोत के रूप में जाना जाता है।

ड्रोन उड़ने की सूचना पर पुलिस ने रात भर बजाया हुटर, ग्रामीणों में दहशत रात जागते हुए काटी

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के ग्राम सरकी, मुरकी, भौरा, कुसैला में बृहस्पतिवार को देर रात ड्रोन उड़ने की सूचना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की जानकारी पर पुलिस सतर्क हो गई और पूरी रात अलग-अलग जगहों पर गश्त करती रही। और ग्रामीण महिला, बच्चे, बुजुर्ग रात जागते हुए नजर आए। सरकी गाँव में खुले आसमान में हरी लाल बत्ती जलती गाँव की महिलाओं ने देख कर शोर मचाया। शोर सुनकर गाँव के युवा, नौजवान और बुजुर्ग हाथ में डंडा लेकर उस तरफ दौड़े। तो ड्रोन उड़कर बजरंगबली मन्दिर की तरफ चला गया। जब तक ग्रामीण मंदिर तक पहुँचते ड्रोन गायब हो गया। इसी तरह अन्य गांव में भी ड्रोन उड़ने की सोर रात रही चलती रही। ग्रामीण ने कोतवाली के सीयूजी नम्बर पर फोन कर मामले की जानकारी दिया। सूचना मिलते ही केराकत पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की, लेकिन कहीं भी ड्रोन का सुराग नहीं मिला। आसमान में उड़ते ड्रोन की चर्चा से ग्रामीणों में दहशत का माहौल रहा। इस संबंध में पूछने पर कोतवाली प्रभारी त्रिवेणी सिंह ने पर मामले की की गंभीरता को देखते हुए रातभर हुटर बजाते हुये पुलिस गश्त करती रही। मामले की जांच की जा रही है कि आखिर ड्रोन उड़ाने के पीछे अफवाह फैलाने वाले कौन लोग शामिल हैं, इसका भी गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है।

पंडालों में सीसीटीवी कैमरा लगाना जरूरी: एसडीपीओ: अमन कुमार

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल के एसडीपीओ अमन कुमार ने दशहरा के अवसर पर अनुमंडल क्षेत्र के सभी पूजा पंडालों में आयोजक समिति से सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया है। एसडीपीओ ने कहा है कि दूर्गा पुजा अमन चैन और भाई चारा का पर्व है इसे सभी लोग शांतिपूर्ण व सोहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। दुर्गा पूजा कमिटी को लाइसेंस लेना अत्यंत आवश्यक है। दुर्गा पूजा पंडाल में सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य है। डीजे पर प्रतिबंध, असमाजिक तत्वों की सूचना पुलिस को शीघ्र देने, प्रतिमा का विसर्जन रूट के आधार पर ही करने की सलाह दी है। इसका उल्लंघन होने पर विधि संगत कार्रवाई की जा सकती है। अनुमंडल क्षेत्र के सभी पूजा पंडालों पर क्षेत्र के थाना प्रभारी को कड़ी नजर रखने का एसडीपीओ ने निर्देश दिया है।

एच एम द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति ठीक से नहीं देने पर बीइओ ने मांगा स्पष्टीकरण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के शिक्षा पदाधिकारी राजकुमार उपाध्याय ने प्रखंड क्षेत्र के फलपुरा प्राथमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति ठीक से नहीं देने पर कारण पृच्छा नोटिस जारी किया है। बीइओ ने अपने दिए गए स्पष्टीकरण पत्र में कहां है कि प्रायः देखा जा रहा है कि स्कूल के प्रधानाध्यापक मनोज वर्मा द्वारा सही ढंग से उपस्थिति दर्ज नही की जा रही है जिसमें फोटो सिंक नहीं किया जाना, देर से उपस्थिती दर्ज करना, (विद्यालय आने एवं जाने के दोनों), समय में कुछ ही सेकंड मिनट के अंतराल पर विद्यालय आना एवं विद्यालय से जाना होना, रात के समय में आउट करना एवं गंजी में भी रात के 08 बजे आउट करना शामिल है। जो कि एच एम द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज किए जाने के संबंध में बरती गयी अनियमितता का परिचायक है। बी इ ओ ने उपर्युक्त के संदर्भ में पत्र निगत समय दो दिन में स्पष्टीकरण देने का समय सुनिश्चित किया है। पत्र में बीइओ ने साफ शब्दों में कहा है कि समय सीमा के भीतर अगर स्पष्टीकरण का जवाब नहीं दिया गया तो प्रधानाध्यापक के खिलाफ कार्रवाई व वेतन कटौती के लिए पत्र निर्गत करते हुए विभागीय कार्रवाई हेतु वरीय पदाधिकारी को सूचित कर दिया जाय।

कमला राइजिंग स्टार्स 2 .0 पुरस्कार का आयोजन

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर, नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय में आज कमला राइजिंग स्टार्स 2.0 अवॉर्ड्स नामक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कमला अंकीबाई घमंडीराम गोवानी ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में समाज परिवर्तन के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले 42 व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

इस वर्ष की थीम ध्रुवतारा रखी गई थी। अडिग मार्गदर्शन, नैतिक स्पष्टता और उद्देश्यपूर्ण दिशा का प्रतीक यह विषय पुरस्कार विजेताओं के कार्यों से पूरी तरह मेल खाता था। शिक्षा, पत्रकारिता, सामाजिक सेवा, खेल, उद्यमिता, कला, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत इन विजेताओं ने न केवल अपने क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है, बल्कि समाज परिवर्तन के प्रति अपनी सतत प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की है। देश के प्रमुख नेता, विचारक और सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने इस समारोह की शोभा और भी बढ़ाई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री (कॉर्पोरेट कार्य) हर्ष मल्होत्रा उपस्थित थे। उन्होंने इन पहलों को समाज को प्रगति की दिशा दिखाने वाले दीपस्तंभ बताया। केंद्रीय राज्य मंत्री (महिला एवं बाल विकास विभाग) श्रीमती सावित्री ठाकुर ने विकसित भारत के निर्माण हेतु ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि ये प्रधानमंत्री की परिवर्तनकारी दृष्टि के अनुरूप हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने ऐसे व्यक्तित्वों को गढ़ने के लिए ट्रस्ट द्वारा लंबे समय से निभाए जा रहे अनुशासन के महत्व को रेखांकित किया। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती ने अपने उद्बोधन में कहा कि, किसी राष्ट्र को केवल लेना ही नहीं, बल्कि देना भी सीखना चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. निरंजन कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मूल्याधारित शिक्षा और चरित्र-निर्माण पर दिए गए जोर को रेखांकित किया और कहा कि यही उद्देश्य कमला गोवानी ट्रस्ट निरंतर

जमीनी स्तर तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। वित्त मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री सज्जन यादव ने सभी नागरिकों से विकसित भारत निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। ट्रस्टी श्रीमती निदर्शना गोवानी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि ये पुरस्कार केवल सम्मान नहीं हैं, बल्कि समाज की आधारभूत संरचना को संजोए रखने वाले आदर्शों, दृढ़ता और सेवाभाव को सच्ची मानवंदना हैं। उन्होंने दोहराया कि समाज परिवर्तन के लिए कार्यरत परिवर्तनकर्ताओं को प्रेरित करना और राष्ट्र की नैतिक नींव को मजबूत करना ट्रस्ट की सदैव प्राथमिकता रहेगी। सभी 42 पुरस्कार विजेताओं को उनके साहसी दृष्टिकोण, अडिग दृढ़ता और परिवर्तनकारी नेतृत्व के गुणों के लिए सम्मानित किया गया। इन गुणों ने न केवल अनगिनत जीवनों को सशक्त बनाया है, बल्कि भारत की बदलती वैश्विक पहचान में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका जीवन-संघर्ष इस सत्य की याद दिलाता है कि उद्देश्यपूर्ण कार्य करने वाला एक व्यक्ति भी लंबे समय तक स्थायी बदलाव ला सकता है।

माँ के धर्म का पालन करते हुए भारत के भविष्य को तैयार करें : सीमा द्विवेदी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में राजभवन के निर्देश पर ₹सेवा पखवाड़ा₹ के अंतर्गत 26 सितम्बर 2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय ₹स्नेह, देखभाल एवं स्वच्छता₹ था। यह कार्यक्रम विशेष रूप से आंगनबाड़ी कार्यकर्ती एवं सहायिकाओं के लिए आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ती को संबोधित करते हुए कहा कि प्रथम गुरु माँ होती हैं, लेकिन उसके बाद नौनिहाल सीधे आपके आंचल में आ जाते हैं।

उन्होंने कहा कि माँ के धर्म का पालन करते हुए भारत के भविष्य को तैयार करना हम सबकी विशेष जिम्मेदारी है, जिसमें स्नेह के साथ बच्चों की उचित देखभाल, पोषण तथा जीवन में स्वच्छता की शिक्षा देना अनिवार्य है। विशिष्ट अतिथि माँ विंध्यवासिनी देवी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने कहा कि बच्चों को अपनी माँ से भी अधिक अपने गुरु पर विश्वास होता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ती उनकी पहली गुरु हैं, इसलिए उनकी जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कई आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेकर आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराई हैं। यह सेवा आगे भी जारी रहेगी ताकि केन्द्रों का पूरा लाभ बच्चों तक पहुँच सके। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. मनोज मिश्र ने दिया। इस अवसर पर डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. मनीषा यादव सहित जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आई आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों ने प्रतिभाग किया।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दीक्षोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में दीक्षोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शुक्रवार की देर शाम आर्यभट्ट सभागार, रज्जू भैया संस्थान में सम्पन्न हुआ। दीक्षोत्सव के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को माननीय कुलपति प्रो. वंदना सिंह द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय परिसर में दीक्षांत समारोह के आयोजन से पूर्व 18 से 25 सितंबर 2025 तक ₹दीक्षोत्सव-2025₹ का आयोजन किया गया । दीक्षोत्सव के अंतर्गत छात्र एवं छात्राओं के लिए परंपरागत खेल प्रतियोगिताएं जैसे कबड्डी, खो-खो एवं रस्साकसी, तथा सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम

किए गए। किए गए कए गए प्रतियोगिताएं जैसे काव्य लेखन, निबंध लेखन, देशभक्ति गीत, चित्रकला, लोक नृत्य एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी ।इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों ने खेलकूद, चित्रकला, लोक संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आगे भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शैक्षणिक के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करता रहेगा। वित्त अधिकारी आत्मप्रकाश धर द्विवेदी ने समारोह के दौरान विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए एक प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किया ।कुलसचिव केशलाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, और इस प्रकार की प्रतियोगिताएं उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होती हैं ।प्रो. मानस पाण्डेय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, जबकि संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार ने प्रतियोगिताओं की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की ।कार्यक्रम का संचालन डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव एवं डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश, डॉ. रसिकेश, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. दीप प्रकाश सिंह, डॉ. वनिता सिंह डॉ. शशिकांत, डॉ. निमिषा यादव, डॉ. आलोक दास, डॉ. सत्यम उपाध्याय सहित अनेक शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।